जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 40 प्रभात उदयपुर, गुरुवार 12 दिसम्बर, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

'सभी एम.ओ.यू. की रिपोर्ट एक साल बाद जनता को पेश करेंगे'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने मंत्रियों, निवेशकों, उद्योगपतियों, अधिकारियों व कर्मचारियों का सफल आयोजन के लिए आभार जताया

- समापन सत्र में मुख्यमंत्री ने कहा, अगले 3 साल में जी.आई. टैग की संख्या दुगनी की जायेगी। जिससे जी.आई. टैग वाले उत्पाद गाँव से ग्लोबल की ओर बढ़ेंगे।
- उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा, राजस्थान पहले केवल पर्यटन के लिए जाना जाता था, समिट के बाद प्रदेश उद्योग क्षमताओं के लिए भी जाना जा रहा है।

राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के समापन पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभिन्न कंपनियों और उपक्रमों के एग्ज़िबिटर बूथों का जायजा लिया। उन्होंने "बिल्डिंग अ सिक्योर नेशन" बूथ पर आधुनिक हथियारों का निरीक्षण किया।

जयपुर, 11 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान को नवाचार एवं निवेश का नया केन्द्र बताते हुए कहा है कि राज्य सरकार राइज़िंग राजस्थान समिट में हुए एम.ओ.यू. को धरातल पर उतारने के लिए पूरी शक्ति के साथ काम करेगी। अगले वर्ष 11 दिसंबर को इन सभी एम.ओ.यू. के जमीन पर उतरने की कार्यवाही की समीक्षा कर इसे जनता के सामने लाया जाएगा तथा राइज़िंग राजस्थान का आयोजन वर्ष 2026 में फिर से होगा।

शर्मा ने बुधवार को राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वैस्टमैंट समिट के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि असीम संभावनाओं से भरपूर राजस्थान में उद्यमिता एवं विकास के शिखर को छूने की क्षमता है। राजस्थान नवाचार एवं निवेश आकर्षण के एक नए केन्द्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि इस समिट के माध्यम से 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एम.ओ.यू. किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार ने कई अहम निर्णय लिए हैं, जिनमें, राज्य में 11 औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना के

(शेष पृष्ठ 3 पर)

ई.वी.एम. से छेड़छाड़ के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट जाएगा विपक्ष

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर। दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले, कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया ब्लॉक सर्वोच्च न्यायालय जाने की योजना बना रहा है। इंडिया ब्लॉक का आरोप है कि हाल ही में हुये महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ई.वी.एम.) में गड़बड़ी हुई है।

मंगलवार शाम को एन.सी.पी. (एस.पी.) प्रमुख शरद पवार तथा आम आदमी पार्टी प्रमुख एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की

- दिल्ली विधानसभा चुनावों में ई.वी.एम. से छेड़छाड़ की आशंका के कारण कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने जवाबी उपाय के तहत यह निर्णय किया है।

मीटिंग में यह निर्णय लिया गया।

विपक्ष, जिसमें पवार की पार्टी एन.सी.पी. (एस.पी.) भी शामिल है, को महाराष्ट्र में भारी नुकसान हुआ है।

दिल्ली विधानसभा के आसन्न चुनावों को ध्यान में रखते हुए, विपक्षी गठबंधन में इस सम्बंध में किसी अग्रिम योजना की जरुरत महसूस की जा रही है।

दिल्ली के पिछले दो विधानसभा चुनावों में, अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी का

(शेष पृष्ठ 3 पर)

अजीबोगरीब खेल चल रहा है इंडिया गठबंधन में

राज्यसभा में एकजुटता, तो लोकसभा में भारी आतंरिक विरोध

- राज्यसभा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, जो राज्यसभा के सभापति भी हैं, के खिलाफ इंडिया गठबंधन ने पूरी एकजुटता से अविश्वास प्रस्ताव रखा है।
- लोकसभा में कांग्रेस पूरी तरह से अलग-थलग है, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस पार्टी की ओर से कांग्रेस का जरा भी सहयोग नहीं किया जा रहा है।
- चर्चा है कि इसके पीछे शायद अडानी का हाथ है, जो कांग्रेस को इंडिया गठबंधन में अलग-थलग कर देने की दिशा में काम कर रहे हैं।

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर। एक विचित्र विरोधाभास है, विपक्षी इंडिया ब्लॉक दो अलग दिशाओं में काम कर रहा है। राज्य सभा में इंडिया ब्लॉक एकजुट है, राज्यसभा के चेयरमैन जगदीप धनखड़ के विरूद्ध एकजुट है, जिनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव रखा गया है तथा आरोप लगाए गए हैं कि वे सरकार के प्रवक्ता हैं, सरकार के प्रति पक्षपाती है, विपक्ष को बोलने नहीं देते, न ही विपक्ष को अपना मत रखने देते हैं।

धनखड़ सार्वजनिक मंच से विपक्ष के विरूद्ध तथा सरकार के पक्ष में बोलने के लिए जाने जाते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा है कि पहली बार विपक्ष देश के उपराष्ट्रपति के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव रखने को बाध्य हुआ है, जो कि राज्यसभा के चेयरमैन भी हैं। उन्होंने कहा, ऐसा मौका पहले कभी नहीं आया, क्योंकि कोई भी अन्य पीठासीन अधिकारी उस हद तक नहीं गया, जिस हद तक वे गए हैं।

और इसके ठीक विपरीत, इंडिया ब्लॉक गठबन्धन में भारी मतभेद हैं, समाजवादी पार्टी और तृणमूल जैसे राजनैतिक दल, खासतौर से लोकसभा में, कांग्रेस को सहयोग नहीं दे रहे हैं।

प्रश्न यह है कि आखिर ऐसा क्यो हो रहा है? अडानी मुद्दे वजह से एक जवाब उभर रहा है। क्या अडानी विपक्षी इंडिया गठबंधन को तोड़ने के लिए काम कर रहे हैं। क्या वे कांग्रेस को अलग-थलग कर यह सुनिश्चित कर देना चाहते है कि अधिकांश बड़े दल जो अब तक कांग्रेस के पक्ष में खड़े थे, वे कांग्रेस से अलग हो जाएं।

अडानी पर राहुल गांधी के फोकस तथा उनके नारे "अडानी और मोदी एक हैं" के कारण ही, सरकार ने जवाबी प्रहार करते हुये, सोनिया गांधी तथा उनके परिवार पर जॉर्ज सोरॉस के साथ कथित सम्बन्ध का आरोप लगाते हुये, उसे कटघरे में खड़ा कर दिया है। जगदीप धनखड़ ने नड्डा को गांधी परिवार पर ये आरोप लगाने की अनुमति तो दे दी, लेकिन इसके बाद, कांग्रेस और विपक्ष को जवाब देने की अनुमति नहीं दी।

राहुल ने बिड़ला से सदन चलाने का आग्रह किया

नयी दिल्ली, 11 दिसम्बर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की और कहा कि वे चाहते हैं कि संसद चले इसलिए सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाई जानी चाहिए। गांधी सदन की कार्यवाही शुरु

(शेष पृष्ठ 3 पर)

विचार बिन्दु

सुधार के बिना पश्चाताप ऐसा है जैसे सुराख़ बंद किये बिना जहाज में से पानी निकालना। –पामर

सोशल मीडिया बच्चों के लिए फायदेमंद है या नुकसानदेह

बच्चों के लिए सोशल मीडिया के फायदे और नुकसान पर दुनियाभर में चर्चा और मंथन का बाजार गर्म हो रहा है। सोशल मीडिया इंटरनेट पर आधारित प्लेटफॉर्म हैं। व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम आदि नेटवर्क को सोशल मीडिया कहा जाता है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक दुनिया में हर आधे सेकेंड में कोई न कोई बच्चा पहली बार ऑनलाइन दुनिया में दाखिल होता है। यूएस सर्जन जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक 8 से 12 साल के 40 फीसदी बच्चे और 13 से 17 साल के 95 फीसदी बच्चे सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं। जर्नल में बताया गया है किस तरह सोशल मीडिया बच्चों की मेंटल हेल्थ को नुकसान पहुंचा रहा है। खासतौर से उन बच्चों को जो एक दिन में तीन घंटे से ज्यादा का वक्त सोशल मीडिया पर बिताते हैं वो डिप्रेशन और एंजाइटी के शिकार होने के डबल रिस्क पर होते हैं। सोशल मीडिया के उपयोग के चलते बच्चे की नींद में भी कमी देखने को मिलती है। जो बच्चे देर रात तक सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं उनकी नींद पूरी नहीं हो पाती है क्योंकि उन्हें सुबह स्कूल भी जाना होता है। सोशल मीडिया के उपयोग के चलते बच्चों की पढाई लिखाई पर भी प्रभाव पड़ता है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून पास कर लिया है। यह कदम देश में सोशल मीडिया के बच्चों पर मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव को लेकर बढती चिंताओं के बीच उठाया गया है। इस कानून के तहत, तकनीकी कंपनियों जैसे मेटा (इंस्टाग्राम, फेसबुक), टिकटॉक को अपने प्लेटफॉर्म्स पर बच्चों के अकाउंट्स को ब्लॉक करना होगा, अन्यथा उन्हें 49.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना भुगतना पड़ेगा। यह प्रतिबंध अगले एक साल में पूरी तरह लागू होगा। ऑस्ट्रेलिया का यह कदम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा का विषय बना है।

दुनियाभर में बच्चों पर सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव को लेकर इस समय चर्चा और बहस हो रही है। अनेक अध्ययन रिपोर्टों में कहा गया है कि इनका बचपन रचनात्मक कार्यों की जगह डेटा के जंगल में गुम हो रहा है। पिछले कई सालों में सूचना तकनीक ने जिस तरह से तरक्की की है, इसने मानव जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है बल्कि एक तरह से इसने जीवनशैली को ही बदल डाला है। बच्चे और युवा एक पल भी सोशल मीडिया से खुद को अलग रखना गंवारा नहीं समझते। इनमें हर समय एक तरह का नशा सा सवार रहता है। वैज्ञानिक भाषा में इसे इंटरनेट एडिक्शन डिस्ऑर्डर कहा गया है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि जब सोशल मीडिया का इस्तेमाल लत की हद तक पहुंच जाए, तो यह न केवल मानसिक सेहत बल्कि शारीरिक समस्याओं का भी कारण बन सकता है। यही वजह है कि दुनियाभर में सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारियों को बढाने की मांग जोर पकड़ रही है। खासतौर पर बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा पर फोकस करते हुए कई देश नए कानून बना रहे हैं।

अत्यधिक स्क्रीन टाइम आंखों की रोशनी, नींद की समस्याओं और मोटापे का कारण बन सकता है। स्क्रीन के सामने अधिक समय बिताने से बच्चों के सोशल स्किल कमजोर हो सकते हैं। सोशल मीडिया और विज्ञापनों के माध्यम से बच्चे अवास्तविक अपेक्षाएं पाल सकते हैं।

दरअसल, बच्चों के लिए मोबाइल फोन और टीवी का आकर्षण अब आम बात हो गई है। अभिभावक भी अपने काम के चक्कर में बच्चों को मोबाइल फोन देकर या टीवी के सामने बैठा देते हैं। इसका बच्चों पर बहुत खराब असर पड़ता है। अत्यधिक स्क्रीन टाइम आंखों की रोशनी, नींद की समस्याओं और मोटापे का कारण बन सकता है। स्क्रीन के सामने अधिक समय बिताने से बच्चों के सोशल स्किल कमजोर हो सकते हैं। सोशल मीडिया और विज्ञापनों के माध्यम से बच्चे अवास्तविक अपेक्षाएं पाल सकते हैं। कई रिसर्च में पता चला है कि ज्यादा स्क्रीन टाइम की वजह से बच्चों और किशोरों में नींद की कमी और डिप्रेशन की शिकायत देखी जा रही है। डिप्रेशन बढ़ने से उनके स्वास्थ्य और फिजिकल फिटनेस पर भी बुरा असर पड़ता है।

भारत में बच्चों को सोशल मीडिया पर विचरण की पूरी आज़ादी है। यहाँ उम्र की कोई बाधा नहीं है। सच तो यह है भारत में बच्चों का बचपन आभासी दुनियां में खो गया है। एम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार आई एक्सपर्ट का यह भी कहना है कि जितनी छोटी स्क्रीन होगी, उतनी समस्या बढ़ेगी। आज घर घर में बच्चे धड़ल्ले से मोबाइल पर स्क्रीनिंग कर रहे है। उन्हें इस बात की कोई चिंता नहीं है की यह उनके स्वास्थ्य के लिए कितनी खतरनाक है विशेष रूप से आँखों के लिए। एम्स के डॉक्टरों ने बच्चों में बढ़ते मायोपिया (दूर की चीजें साफ न दिखना) की एक वजह बढ़ता स्क्रीन टाइम बताया है। एम्स की गाइडलाइंस के अनुसार एक दिन में मैक्सिमम दो घंटे से ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं होना चाहिए। एम्स के डॉक्टरों ने चेताते हुए कहा कि यही स्थिति रही तो 2050 तक 40 से 45 परसेंट बच्चे मायोपिया के शिकार हो जाएंगे। इसके लिए एम्स की गाइडलाइंस को फॉलो करना चाहिए। डॉक्टरों ने कहा कि मायोपिया में आंख की पुतली का साइज बढ़ जाता है और इसकी वजह से प्रतिबिंब रेटिना पर नहीं बनता है।

स्क्रीन टाइम ज्यादा होने का सबसे पहला असर बच्चों की आंखों की रोशनी पर पड़ रहा है। स्क्रीन को नजदीक और एकटक देखने से आंखें ड्राई होने लगती हैं यही हालात रहने पर आंखों की रोशनी कम होने लगती है। मोबाइल बच्चों का दोस्त है या दुश्मन। बिना विलंब किए अभिभावकों को इस पर गहनता से मंथन की जरुरत है। आजकल मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल बच्चों को इंटरनेट एडिक्शन की तरफ ले जा रहा है। इस तरह के एडिक्शन से मानसिक बीमारियां पैदा होती हैं और ऐसे में बच्चे कोई न कोई गलत कदम उठा लेते हैं। आजकल के बच्चे इंटरनेट लवर हो गए हैं।

देश में इंटरनेट के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल में बचपन खोता जा रहा है जिसकी परवाह न सरकार को है और न ही समाज इससे चिंतित है। ऐसा लगता है जैसे गैर जरुरी मुद्दे हम पर हावी होते जारहे है और वास्तविक समस्याओं से हम अपना मुंह मोड़ रहे है। यदि यह यूँ ही चलता रहा तो हम बचपन को बर्बादी की कगार पर पहुंचा देंगे। देश के साथ यह एक बड़ी नाइंसाफी होगी जिसकी कल्पना भी हमें नहीं है। जब से इंटरनेट हमारे जीवन में आया है तबसे बच्चे से बुजुर्ग तक आभासी दुनियां में खो गए है। हम यहाँ बचपन की बात करना चाहते है। देखा जाता है पांच साल का बच्चा भी आँख खोलते ही मोबाइल पर लपकता है। पहले बड़े इसे अपने काम के लिए करते थे। अब बच्चे भी इंटरनेट के शौकीन होते जा रहे हैं। बाजार ने उनके लिए भी इंटरनेट पर इतना कुछ दे दिया है कि वह पढ़ने के अलावा बहुत कुछ इंटरनेट पर करते रहे हैं। पेरेंट्स को बच्चों की ऐसी गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए और समय रहते उनकी ऐसी आदत को पॉजेटिव तरीके से दूर करना चाहिए।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

एफ.डी.आई. : विदेशी निवेशकों का भरोसा जीत रहा भारत

राम शर्मा

पिछले दिनों एक समाचार ने पूरे देश के अखबारों की सुर्खियां बटोरी। यह समाचार था भारत में लगातार बढ़ रहे विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के बारे में। भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बीते 10 वर्षों में तेजी से बढ़ा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान 600 अरब डॉलर से ज्यादा का एफडीआई आया है।

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, देश में 1991 के निजीकरण के बाद से जून 2024 तक कुल 1,059 अरब डॉलर का एफडीआई आया है। इसमें से 689 अरब डॉलर यानी 65 प्रतिशत 2014 से जून 2024 के बीच आया है, जबकि 370 अरब डॉलर यानी 35 प्रतिशत 1991 से 2014 बीच आया था।

भारत में चालू वित्त वर्ष (2024-25) में भी एफडीआई मजबूत रहा है। डीपीआईआईटी के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से जून की अवधि में 16.17 अरब डॉलर का एफडीआई भारत में आया है, जो पिछले साल समान अवधि के आंकड़े 10.9 अरब डॉलर से 47.80 प्रतिशत अधिक है।

वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में सबसे अधिक 3.9 अरब डॉलर का निवेश सिंगापुर से, 3.2 अरब डॉलर का निवेश मॉरीशस से, 2.4 अरब डॉलर का निवेश नीदरलैंड से, 1.5 अरब डॉलर का निवेश अमेरिका से, जापान से 629 मिलियन डॉलर, साइप्रस से 615 मिलियन डॉलर और यूएई से 555 मिलियन डॉलर निवेश आया था। इस दौरान सबसे ज्यादा 3.9 अरब डॉलर का एफडीआई निवेश सर्विस सेक्टर में आया है। कंप्यूटर और हार्डवेयर सेक्टर में 2.7 अरब डॉलर, गैर-पारंपरिक एनर्जी सेक्टर में 1.03 अरब डॉलर, कंस्ट्रक्शन गतिविधियों में 666 मिलियन डॉलर, ट्रेडिंग और टेलीकम्युनिकेशन सेक्टर में 460 मिलियन डॉलर और 455 मिलियन डॉलर का निवेश आया है।

वस्तुतः प्रत्यक्ष विदेशी निवेश किसी भी राष्ट्र के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो विकास, रोजगार और नवाचार के प्रमुख कारक के रूप में कार्य करता है। भारत जैसे विकासशील देश के लिए, 1991 में अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के बाद से एफडीआई इसके आर्थिक सुधारों और आधुनिकीकरण की आधारशिला रहा है। दशकों से, भारत अपने विशाल बाजार, कुशल कार्यबल और अनुकूल सरकारी नीतियों की बदौलत निवेश के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभरा है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से तात्पर्य किसी विदेशी संस्था द्वारा घरेलू उद्यम में किए गए निवेश से है, जिसमें उद्यम पर दीर्घकालिक हित और नियंत्रण शामिल होता है। भारत का एफडीआई के प्रति दृष्टिकोण पिछले कुछ वर्षों में काफी विकसित हुआ है। उदारीकरण से पहले यानि 1991 से पहले, भारत में एफडीआई की एक प्रतिबंधात्मक व्यवस्था थी, जिसमें कड़े नियम और सीमित विदेशी भागीदारी थी।

1991 के आर्थिक सुधारों ने अर्थव्यवस्था को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एफडीआई के लिए नीतियों को उदार बनाया गया, जिससे विदेशी निवेशकों को भारत के बाजारों तक अधिक पहुंच मिली। इसमें दूरसंचार, ऑटोमोबाइल और आईटी जैसे उद्योगों में सुधार शामिल थे। आज, भारत वैश्विक स्तर पर एफडीआई के शीर्ष प्राप्तकर्ताओं में से एक है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर जैसे देशों से निवेश आकर्षित करता है।

एफडीआई भारत की अर्थव्यवस्था में बहुआयामी भूमिका निभाता है, जो कई तरीकों से इसके विकास में योगदान देता है। एफडीआई विभिन्न क्षेत्रों में विदेशी पूंजी लगाकर भारत के सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान देता है। यह औद्योगिक विकास को बढ़ावा देता है, बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण करता है और अर्थव्यवस्था पर गुणक प्रभाव डालता है। एफडीआई विनिर्माण, आईटी और खुदरा जैसे क्षेत्रों में सीधे तौर पर लाखों नौकरियां पैदा करता है। यह सहायक उद्योगों और सेवाओं में अप्रत्यक्ष रोजगार को भी बढ़ावा देता है, जिससे बड़े और बढ़ते कार्यबल वाले देश में बेरोजगारी की चुनौतियों का समाधान होता है। इसी प्रकार दूरसंचार, ऑटोमोटिव और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों को विदेशी निवेशकों द्वारा लाई गई तकनीकी प्रगति से बहुत लाभ हुआ है।

एफडीआई ने भारत के बुनियादी ढांचे के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें सड़कें, बंदरगाह और बिजली संयंत्र शामिल हैं। उदाहरण के लिए, अक्षय ऊर्जा में विदेशी निवेश ने भारत को टिकाऊ ऊर्जा समाधानों की ओर बढ़ने में मदद की है।

एफडीआई भारतीय कंपनियों को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एकीकृत करने, उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करने और निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करता है। यह आईटी और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में स्पष्ट है, जहां भारत ने एक मजबूत वैश्विक उपस्थिति स्थापित की है। विदेशी मुद्रा लाकर, एफडीआई भारत को अपने चालू खाता घाटे का प्रबंधन करने में मदद करता है, जिससे बाहरी उधार पर निर्भरता कम हो जाती है। यह सत्य है कि एफडीआई के कई लाभ हैं, लेकिन इसकी कुछ चुनौतियां भी है। एफडीआई पर अत्यधिक निर्भरता से कमज़ोरियां पैदा हो सकती हैं, खासकर तब, जब विदेशी निवेशक आर्थिक मंदी के दौरान धन वापस ले लेते हैं। इससे अर्थव्यवस्था के लड़खड़ाने का खतरा रहता है।बेहतर संसाधनों वाली विदेशी कंपनियां स्थानीय फ़र्मों से आगे निकल सकती हैं, जिससे संभावित रूप से एकाधिकार या बाज़ार में प्रभुत्व की स्थिति पैदा हो सकती है। विदेशी कंपनियों द्वारा अर्जित लाभ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा उनके गृह देशों में वापस भेज दिया जाता है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए लाभ सीमित हो जाता है। एफडीआई प्रवाह अक्सर विशिष्ट क्षेत्रों में केंद्रित होता है, जिससे अन्य क्षेत्रों को कम फ़ंड मिल पाता है।

–राम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

वाहनों का भी आवश्यक हो अवसान/ निरस्तीकरण पंजीकरण

पंजीकरण समाप्त होने के बाद भी चल रहे वाहनों पर हो कार्यवाही

सुनील दत्त गोयल

हमारे देश की सड़कों पर पंजीकरण समाप्त हो चुके वाहनों का चलना एक गंभीर समस्या बन गई है। यह न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन है, बल्कि इससे सड़क दुर्घटनाओं के मामले में जिम्मेदारी तय करने में भी कठिनाई होती है।

हमारे देश में ऐसा एक सिस्टम डेवलप होना चाहिए कि 15 साल के बाद या जब तक वन टाइम टैक्स की वैधता होती है, उसके बाद वाहन और वाहन मालिक की केवाईसी पुनः होनी चाहिए। यानी कि री-केवाईसी का होना अति आवश्यक है। इन 10 से 15 सालों में बहुत से वाहन स्वामी अपना पता बदल लेते हैं या वाहन को बेच देते हैं, और उसका स्वामित्व हस्तांतरण नहीं करवाते। या उस वाहन को स्क्रैप कर देते हैं और स्क्रैप की सूचना सरकारी विभाग तक नहीं जाती। इसका कारण यह है कि इस तरह की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। दूसरा, बाहर बैठे जो दलाल और कमीशन एजेंट हैं, वे इतना पैसा मांगते हैं कि कोई व्यक्ति, अगर ईमानदारी से काम करना चाहे और सरकार को सहयोग भी करना चाहे, तो वह वहां जाकर भ्रष्टाचार में डूबे हुए तंत्र को देखकर वापस आ जाता है।

आज सरकार के पास सबसे बड़ी समस्या यह है कि जितने भी नए वाहन सड़क पर आते हैं, उनका तो पंजीकरण हो जाता है। लेकिन वह वाहन कब स्क्रैप पर चले गए, साल्वेज में चले गए, सड़क से बाहर हो गए, या उनकी केवाईसी बदल गई, इसका सरकार को कोई पता नहीं होता है। और भी ज्यादा गैर-जिम्मेदाराना बात यह है कि जो वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं और टोटल लॉस में इंश्योरेंस कंपनी उनका भुगतान कर देती है और उन्हें साल्वेज में बेच देती है। तो भी न तो इंश्योरेंस कंपनी और न ही उस वाहन का मालिक संबंधित विभाग को सूचना देता है कि यह वाहन समाप्त हो चुका है। इस काम के लिए इन दोनों संबंधित पक्षकारों को जिम्मेदार बनाना चाहिए। यह सरकार के अधिकारियों की जिम्मेदारी बनती है। और जब तक सरकार के पास इस तरह का डेटा संपूर्ण रूप से उपलब्ध नहीं होगा कि कौन-सा वाहन कब सड़क से हट चुका है, तब तक उसके हिसाब से योजना बनाना बड़ा मुश्किल होगा।

यदि सरकार चाहे, तो रात्रि गश्त पर जो पुलिस होती है, उसे मालूम पड़ सकता है कि कितने ऐसे वाहन जो बहुत लंबे समय से एक ही जगह पर खड़े हुए हैं, उनके टायर-ट्यूब खराब हो चुके हैं, वे साल्वेज का रूप ले चुके हैं, और सड़क पर चलने योग्य नहीं हैं। ऐसे वाहन केवल सड़क के किनारे खड़े होकर सरकारी जगह पर अतिक्रमण कर रहे हैं। सरकार को चाहिए कि गश्ती पुलिस और होमगार्ड की जिम्मेदारी लगाई जाए कि उन वाहनों को वहां से उठाएं और स्क्रैप कर दें।

कई बार मुझे सरकारी अधिकारियों और उनके काम करने के तरीके पर बड़ी हंसी आती है कि भारत में जब भी जिस राज्य में यह विभाग खुले, तब से लेकर आज तक जो वाहन पहली बार वहां पंजीकृत हुआ, वह आज भी उसी नाम पते पर दर्ज है। तो क्या सरकार और उसके अधिकारी यह मानते हैं कि वह व्यक्ति आज भी, आजादी के 75 वर्ष बाद, जिंदा मौजूद होकर सड़क पर वाहन चला रहा होगा?

सरकार को चाहिए कि लगभग हर 10 वर्ष के बाद वाहन की और निजी वाहनों की खासतौर पर, और वाहन मालिक की री-केवाईसी अवश्य करती रहे। जब तक पुराने वाहनों का पंजीकरण निरस्त नहीं होगा, तब तक सरकार के पास ऐसा कोई आंकड़ा सही नहीं हो सकता कि वर्तमान में कितने पंजीकृत वाहन चल रहे हैं।

सरकार एक पंजीकरण सीरीज समाप्त करती है और दूसरी शुरू कर देती है। लेकिन यह ध्यान नहीं देती कि पुरानी सीरीज के कितने नंबर खाली हो चुके हैं। उनकी गहन जांच करना आवश्यक है। इनमें से कई वाहन आज भी अनैतिक गतिविधियों में शामिल होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। धन्यवाद,

–सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक
इम्पीरियल चैंबर ऑफ़
कॉमर्स एंड इंडस्ट्री जयपुर,
राजस्थान

10 पुलिस थानों की टीमों ने बजरी माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई की

पुलिस ने 34 ट्रैक्टर-ट्रॉली बरामद कर दो बजरी माफियाओं को गिरफ्तार किया

धौलपुर, (निसं)। अवैध बजरी परिवहन के खिलाफ जिला पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। एसपी सुमित मेहरड़ा के नेतृत्व में करीब 10 पुलिस थानों की टीम ने कोतवाली थाना क्षेत्र के देव का पुरा चंबल घाट के आसपास बजरी माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई को अंजाम दिया है।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 34 ट्रैक्टर-ट्रॉली को बरामद कर दो बजरी माफियाओं को गिरफ्तार किया है। देर रात की गई कार्रवाई में अधिकांश बजरी माफिया बीहड़ में कूदकर फरार हो गए, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है।

एसपी सुमित मेहरड़ा ने बताया जयपुर पुलिस मुख्यालय के निर्देश में अवैध माइनिंग के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत धौलपुर पुलिस लगातार माफिया के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। उन्होंने बताया कि बीती रात पुलिस को मुखबिर द्वारा इनपुट मिला कि कोतवाली थाना इलाके में देव का पुरा गांव के नजदीक चंबल नदी के घाट

- **देर रात की गई कार्रवाई में अधिकांश बजरी माफिया बीहड़ में कूदकर फरार हो गए**

पर बजरी माफिया अवैध तरीके से बजरी का परिवहन कर रहे हैं। मुखबिर के लोकेशन के आधार पर धौलपुर कोतवाली, धौलपुर सदर, निहालगंज, मनिया, सैपऊ, दिहोली, बसई डांग, बाड़ी सदर, बाड़ी कोतवाली, डीएसटी टीम, पुलिस लाइन का जाब्ता एवं वन विभाग की टीम को कार्रवाई में शामिल किया गया।

करीब 10 पुलिस थानों की टीम ने चंबल घाट पर सुनियोजित तरीके से घेराबंदी कर कार्रवाई को अंजाम दिया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने चंबल बजरी से भरे हुए 34 ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा है। वहीं आरोपी 19 वर्षीय मनोज कुमार पुत्र श्रीकृष्ण निवासी भूड़ा एवं 35 वर्षीय रामहेत पुत्र रामअख्तियार निवासी नथुआ का पुरा को गिरफ्तार किया है। ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर पुलिस ने बजरी माफियाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 34 ट्रैक्टर ट्रॉली को तो मौके से बरामद कर दिया, लेकिन अधिकांश बजरी माफिया अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल में फरार हो गए। एसपी ने बताया आरोपियों के संभावित ठिकानों पर पुलिस लगातार दबिश दे रही है। जिन्हें शीघ्र गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुकंदरा हिल्स टाईगर रिजर्व को एक और बाघिन मिली

कोटा, (निसं)। मुकंदरा हिल्स टाईगर रिजर्व को एक ओर बाघिन मिली है। अभेड़ा बॉयोलोजिकल पार्क में बंद मादा शावक को यहां रिलीज किया गया है।

डीएफओ मुकंदरा मुथु एस ने बताया कि मादा शावक को दरा के सॉफ्ट एनक्लोजर में छोड़ा गया है। मादा शावक के लिए मुकंदरा में पांच हैक्टेयर का सॉफ्ट एनक्लोजर बनाया गया है। इसके पास ही प्रे-बेस के लिए दो एनक्लोजर बने हुए हैं। इससे पहले सुबह इसकी प्रक्रिया शुरू की गई। अभेड़ा पार्क में मादा शावक को ट्रेंकुलाईज किया गया। डॉक्टर्स की टीम ने हेल्थ चेक अप किया। इसके बाद रेडियोकॉलर पहनाया गया। करीब 11 बजे फॉरेस्ट की टीम मादा शावक को लेकर मुकंदरा टाईगर रिजर्व के लिए रवाना हुई। मादा शावक बाघिन टी-114 की संतान है। शावक का जन्म नवंबर 2022 में रणथम्भौर रिजर्व में हुआ था। बाघिन टी-114 की मौत उसके दो शावक (नर व मादा) को 1 फरवरी 2023 को कोटा अभेड़ा बॉयोलोजिकल पार्क में लाया गया था। उस समय शावकों की उम्र ढाई माह थी। पार्क में वनकर्मियों ने इनका पालन-पोषण किया। दोनों शावकों को एनटीसीए से छोड़ने की अनुमति मिल चुकी थी, लेकिन भारत सरकार की अनुमति मिलने का इंतजार था। कुछ दिनों पहले ही भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय वन्य जीव प्रभाग ने इसके आदेश जारी किए थे। जिसके बाद नर शावक को 4 दिसंबर को बूंदी के रामगढ़ विषधारी टाइगर में रिलीज किया। बुधवार को सात दिन बाद मादा शावक को मुकंदरा में रिलीज किया। अभी मुकंदरा में टाइगर का एक ही जोड़ा है, जिन्हें एमटी 5 व एमटी 6 के नाम से जाना जाता है। मादा शावक को मुकंदरा में रिलीज करने से इनकी संख्या तीन हो गई है। बाद में दो बाघिन को एमपी से लाकर यहां छोड़ा जाएगा। इस दौरान वाइल्ड लाइफ डीएफओ अनुराग भटनागर, मुकंदरा डीएफओ मुथु एस, रामगढ़ विषधारी डीएफओ संजीव शर्मा, सवाई माधोपुर पशुपालन विभाग से डॉ. राजीव गर्ग, डॉ. तेजेंद्र रियाड़, डब्ल्यू डब्ल्यू एफ से राजशेखर, दौलतसिंह, क्षेत्रीय वन अधिकारी अभेड़ा बॉयोलोजिकल पार्क रतनलाल बैरवा व अभेड़ा पार्क का स्टाफ मौजूद रहा।

शिल्पग्राम उत्सव 21 से, 20 राज्यों से 800 कलाकार आयेंगे

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर के हवाला गांव स्थित शिल्प के आंगन में शिल्प और कला के महोत्सव का आगाज 21 दिसम्बर को होगा। दस दिवसीय इस महोत्सव की शुरूआत राज्यपाल व पश्चिम क्षेत्र सांस्कृति के केन्द्र के अध्यक्ष हरिभाऊ किसनराव बागड़े नगाड़ा बजाकर करेंगे। शिल्पग्राम उत्सव में 20 राज्यों से 800 कलाकार शिरकत करेंगे। महोत्सव में पत्थर पर कलाकारी कर बनाए गए 12 राशियों के चिन्ह आकर्षण का केन्द्र होंगे। वहीं इस बार मेले में कारीगरी के प्रदर्शन के लिए ऐसे शिल्पकारीगरों को भी आमंत्रित किया जा रहा है जो मौके पर ही अपनी कारीगरी का प्रदर्शन भी करेंगे। सालावास की दरिया, पटू शाल, कोटा डोरियां, कश्मीरी बुनाई, मोलेला की मिट्टी शिल्प, लाख की चूड़ियां बनाने की प्रक्रिया को मौके पर प्रदर्शन की व्यवस्था की जा रही है।

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के निदेशक फुरकान खान ने बताया कि इस वर्ष की थीम 'लोक के रंग-लोक के संग' रखी गई है। इस दस दिवसीय उत्सव में करीब 65 कला दलों द्वारा देश की विभिन्न हिस्सों की सांस्कृतिक विरासत प्रदर्शित की जाएगी। थड़ों पर बहरूपिया, कच्छी घोड़ी, कच्छी लोकगायन, राठवा, सुंदरी वादन, अल्गोजा वादन, गवरी, मशक वादन, मांगणियार, चकरी ताल, कालबेलिया आदि का प्रदर्शन दिनभर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मेले में बहुरूपी कला का प्रदर्शन भी होगा जिसके लिए बहुरुपिए कलाकारों को भी आमंत्रित किया गया है। साथ ही इस बार शिल्पग्राम में 12 राशियों के चिन्ह विशेष आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। इन राशि चिन्हों को देश के युवा मूर्तिकारों द्वारा पत्थर में विशेष रूप से शिल्पग्राम उत्सव के लिए तराशा गया है।

राशिफल गुरूवार 12 दिसम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, अश्विनी नक्षत्र प्रातः 9:53 तक, परिद्य योग दिन 3:23 तक, बव करण दिन 11:48 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-मकर, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से 9:53 तक है। आज बुध उदय पूर्व में प्रातः 9:45 पर होगा। अखंड द्वादशी, व्यंजन द्वादशी, दान द्वादशी और भरणी दीपम है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 8:18 तक, चर 11:03 से 12:20 तक, लाभ-अमृत 11:10 से 2:55 तक, शुभ 4:12 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:10, सूर्यास्त 5:30

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

सिंह
व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी।

धनु
घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन प्राप्ति में विलम्ब होगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं।

मकर
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

इंडिया गठबंधन में राहुल का कद कम करने के प्रयास किसकी शह पर हो रहे हैं?

राजनैतिक हल्कों में चर्चा है कि भाजपा के दबाव में तृणमूल, सपा व शरद पवार ने इंडिया गठबंधन नेतृत्व का मुद्दा उठाया है

- सूत्रों का कहना है कि भाजपा नेतृत्व असल में राहुल गांधी और प्रियंका के नेतृत्व में कांग्रेस के उभरने की संभावना से आशंकित है, इसीलिए यह सारी बिसात बिछाई गई है।
- इसकी शुरूआत हुई है प. बंगाल से। ज्ञातव्य है कि इंडिया गठबंधन के नेतृत्व पर दावा करने से पहले ममता बनर्जी राजभवन जाकर राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस से मिली थीं।
- सूत्रों ने बताया कि गत कुछ समय से ममता बनर्जी व राज्यपाल के रिश्ते मधुर हो गए हैं। जबकि, कुछ दिन पहले तक दोनों एक दूसरे की भारी आलोचना करते रहते थे।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर। ऐसी खबरें आ रही हैं कि विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक में राहुल की स्थिति कमजोर करने में मोदी-शाह का हाथ है, क्योंकि एक के बाद एक विपक्षी नेता विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व पर ममता बनर्जी के दावे का समर्थन कर रहे हैं।

और इस बात पर यकीन करने के कई कारण हैं कि प्रधानमंत्री मोदी, जिन पर अभी राहुल गांधी और बहिन प्रियंका के नेतृत्व में उभरती हुई कांग्रेस का गंभीर खतरा है, को बचाने के लिए भाजपा व संघ ने यह साजिश रची है। उल्लेखनीय है कि प्रियंका गांधी ने वायनाड से अपने भाई से भी ज्यादा बड़े अंतर से चुनाव जीता था।

राहुल गांधी, जो देश के संविधान पर आर.एस.एस. के प्रहार के कट्टर विरोधी है, की छवि खराब करने की साजिश बहुत चतुराइ से रची गई है और इसकी क्रियान्विति की शुरुआत हुई पश्चिम बंगाल से, जहां तृणमूल नेता ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन के नेतृत्व पर दावा किया है।

दस दिसम्बर को लालू यादव भी इस जमात में शामिल हो गए कि ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करना चाहिए। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के सबसे बड़े विपक्षी दल के रुप में उभरने के बाद नेतृत्व का मुद्दा हल हो गया था, पर अब उसे फिर से उभारा जा रहा है।

इन विपक्षी नेताओं ने जिस तरीके से बोलना शुरु किया है, उसमें एक बात सामान्य है और वह है पश्चिम बंगाल।

लालू यादव ने भी कहा है कि ममता बनर्जी को इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व करना चाहिए। इससे एक दिन पहले शरद पवार ने भी कहा था कि ममता बनर्जी देश की एक सक्षम नेता हैं और उन्हें इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व का दावा करने का पूरा हक है। उनके पार्टी सांसद बेहद जागरुक हैं और कड़ी मेहनत करते हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी ममता बनर्जी का समर्थन किया। लालू यादव की टिप्पणी इसलिए अलग है, क्योंकि लालू के बयान से एक दिन पहले ही तेजस्वी यादव ने अलग बात कही थी कि एक साथ बैठकर नेतृत्व के चयन पर चर्चा करने की जरुरत है।

लालू यादव के बयान से एक दिन पहले ही ममता बनर्जी ने यू टर्न लिया और "बीती ताहि बिसार दे" की तर्ज पर प.बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस के निमंत्रण पर राजभवन गईं। सूत्रों ने कहा कि देश के सर्वोच्च नेतृत्व के एक संदेश ने ममता बनर्जी का रास्ता तैयार किया।

सामान्य हालात में, मुख्यमंत्री व राज्यपाल की मुलाकात में कोई बड़ी बात नहीं है, पर ममता की बात अलग है। अगस्त के बाद वो पहली बार राजभवन गई हैं। अगस्त में तो स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में उन्हें प्रोटोकॉल के कारण जाना पड़ा था। ममता बनर्जी जैसी तेज तर्रार नेता के लिए यह बात एकदम उलट है। ममता बनर्जी के उत्थान में भाजपा की महत्वपूर्ण भूमिका है। भाजपा की तरह ममता बनर्जी भी वामपंथियों, खासकर माकपा को अछूत मानती है। ममता बनर्जी ने 14 साल पहले पहली बार शपथ ली थी, बस तब से ही राजभवन के साथ उनके रिश्ते शत्रुतापूर्ण रहे हैं। जैसे-जैसे बंगाल की राजनीति पर उनकी पकड़ मजबूत होती गई, राजभवन से उनके रिश्ते और बिगड़ गए, खासकर 2021 के विधानसभा चुनावों में जीत के बाद।

इस वर्ष गर्मियों में तो राजभवन और सरकार के रिश्ते बहुत ही ज्यादा बिगड़ गए, जब राज्यपाल बोस पर राजभवन की एक पूर्व कर्मचारी के साथ यौन दुराचरण का आरोप लगाया गया। लोकसभा चुनावों में ममता बनर्जी ने राज्यपाल को हटाने की मांग की और कहा कि राज्यपाल के साथ बैठना तक पाप है। बोस ने तो हाल ही में सितम्बर में आर.जी. कार हॉस्पिटल के दुष्कर्म प्रकरण पर ममता बनर्जी के सोशल बॉयकाट की अपील कर दी।

जुलाई में तृणमूल के दो विधायक धरने पर बैठ गए थे कि उन्हें विधानसभा में शपथ दिलाई जाए राजभवन में नहीं। पर हाल ही में राज्यपाल ने 6 नए, विधायकों को राजभवन में शपथ दिलाई तो विरोध में एक आवाज नहीं निकली।

यही नहीं, राजभवन के ट्विटर हैंडल से अटपटी पोस्ट शेयर हुई कि "असली मित्रता फ्लोरोसैंट (प्रतिदीप्त) जैसी होती है। जब सब जगह अंधेरा होता है, तब वो चमकती है। भले ही हम अलग हों, पर हम वृक्ष की शाखाओं की तरह आपस में जुड़े हुए हैं।"

दोनों के बीच सम्बंध मधुर होने का संकेत यह भी है कि राज्यपाल ने राज्य के विभिन्न विश्व विद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। हालांकि कुछ उपकुलपतियों की नियुक्तियां अभी भी विचाराधीन हैं।

जहाँ राजभवन और ममता बनर्जी धीरे-धीरे एक-दूसरे के नजदीक आ रहे हैं, वहीं राष्ट्रीय विपक्षी गठबंधन "इंडिया" में दरारें चौड़ी होती जा रही हैं।

हरियाणा और महाराष्ट्र, जहां इस साल के शुरु में हुये लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने आधार तैयार किया था, में एक के बाद एक हुये विधानसभा चुनावों में मिली हार ने इंडिया ब्लॉक की दरारों को एक बार फिर उजागर कर दिया है।

पिछले सप्ताह, एक बंगाली चैनल के साथ हुई बातचीत में, ममता ने कहा था कि अगर उन्हें अवसर दिया जाता है, तो वे विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करने के लिये तैयार हैं।

उन्होंने कहा था, "मैंने इंडिया ब्लॉक गठित किया था, अब इसे व्यवस्थित रखना उन लोगों का काम है, जो इसके नेतृत्व के लिये आगे आये हैं। अगर वे इसे नहीं चला सकते, तो मैं क्या कर सकती हूँ? मैं तो बस इतना कहना चाहूँगी कि हर व्यक्ति को साथ लेकर चलने की जरुरत है।" उन्होंने आगे कहा था, "अगर मुझे अवसर दिया जाता है, तो मैं इसे सहजता से चलाना सुनिश्चित करुँगी। मैं पश्चिम बंगाल से बाहर जाना नहीं चाहती, लेकिन मैं यहीं से गठबंधन को चला सकती हूँ।" लोकसभा चुनावों से पहले, ममता ने प्रश्न किया था कि क्या कांग्रेस पूरे देश में 50 सीटें भी ला सकती है। और पिछले 10 वर्षों में ऐसा पहली बार हुआ कि कांग्रेस लोकसभा चुनावों में 100 से मात्र एक कम, अर्थात 99 सीटों के आँकड़े तक पहुँच गई।

जहाँ कांग्रेसी नेता भी इस बात को स्वीकार करते हैं कि इस समय ममता बंगाल में उसी तरह अजेय हैं, जैसे एम.के. स्टालिन तमिलनाडु में। लेकिन वे यह भी कहते हैं कि इस दोनों नेताओं तथा इनकी पार्टियों में से किसी की भी, चुनावी दृष्टि से महत्वपूर्ण एवं निर्णायक उत्तरी भारत में, कोई मौजूदगी नहीं है।

कांग्रेस इस समय सोच-समझकर खामोशी धारण किये हुये है, क्योंकि राहुल गांधी ने पार्टी नेताओं से कह रखा है कि वे "इंडिया ब्लॉक के पार्टनरों की किसी भी बात पर प्रतिक्रिया नहीं दें।"

क्या इंडिया ब्लॉक को एकजुट रख पाएगा ममता बनर्जी का नेतृत्व

गठबंधन के नेता एक के बाद एक ममता बनर्जी के नेतृत्व के दावे का समर्थन कर रहे हैं

- लालू यादव, शरद पवार और अखिलेश यादव के समर्थन से ममता बनर्जी प्रफुल्लित हैं और उन्होंने समर्थन देने के लिए इन नेताओं का आभार भी जताया।
- चर्चा है कि अगर ममता बनर्जी को नेतृत्व मिला तो गठबंधन को एकजुट रखना ममता बनर्जी की जिम्मेवारी होगी और अन्य क्षेत्रीय दलों का कांग्रेस के प्रति संदेह खत्म हो जाएगा और कई अन्य दल इस गठबंधन का हिस्सा बनेंगे।

-श्री नन्द झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर। विपक्ष के कई दिग्गज नेताओं, जिनमें शरद पवार तथा लालू यादव भी शामिल हैं, द्वारा तृणमूल कांग्रेस के विचार का समर्थन किये जाने के साथ ही, इस पर गम्भीरता से बात करना शुरू हो गया है कि ममता बनर्जी को इंडिया गठबन्धन की नेता या संयोजक बनाया जाये।

स्वयं बनर्जी ने उनके प्रति सम्मान दिखाने के लिये सभी नेताओं को धन्यवाद दिया है तथा सभी पार्टियों और उनके नेताओं के लिये शुभकामनाएं व्यक्त की हैं। ममता बनर्जी ने आज कहा, "जिन नेताओं ने मेरे प्रति सम्मान प्रदर्शित किया है, उनमें से प्रत्येक के प्रति मैं कृतज्ञ हूँ। मेरी कामना है कि वे स्वस्थ रहें तथा उनकी पार्टियाँ अच्छा प्रदर्शन करें। मैं चाहती हूँ कि इंडिया गठबंधन अच्छा प्रदर्शन करे। मैं हमारे जगन्नाथ मंदिर की ओर से आज सबके लिये मंगल कामना करती हूँ।"

इस समय, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे विपक्ष के इंडिया गठबंधन के चेयरमैन हैं, जो इस साल लोकसभा चुनावों से पहले बना था। इस समय इस नेतृत्व परिवर्तन को कई मायनों में फायदेमंद माना जा रहा है। पहला, अब इंडिया ब्लॉक को संचालित करने का भार बनर्जी तथा टी.एम.सी. पर होगा, कांग्रेस पर नहीं, जिस पर प्राय: बड़े भाई की तरह व्यवहार करने का आरोप लगता है। दूसरा, ऐसी सम्भावना है कि विपक्षी पार्टियों के मन में कांग्रेस के प्रति जो संदेह रहता है, वह समाप्त या बहुत कम हो जायेगा। तीसरा, गठबन्धन के पास सही मायने में एक अखिल भारतीय, और सक्रिय लोकतांत्रिक गठबन्धन के रूप में उभरने का अवसर होगा। इंडिया गठबन्धन के बनने का शुरूआती उत्साह तो थोड़ा बहुत तब ही कम हो गया था, जब नीतीश कुमार एन.डी.ए. में चले गये थे। इंडिया ब्लॉक सुगठित तथा सुव्यवस्थित गठबन्धन के रूप में काम नहीं कर सका, क्योंकि लम्बे समय तक इसका कोई संयोजक नहीं रहा था तथा गठबन्धन के नेताओं की मीटिंग भी कम हुईं तथा उनमें अन्तराल भी ज्यादा रहा। गठबन्धन को नेतृत्व देने वाली कांग्रेस ने अपना स्वयं का एजेंडा तथा वैश्विक दृष्टि पर जोर दिया तथा क्षेत्रीय दलों के सरोकारों को समायोजित करने में असफल रही। एक चीज, जो बनर्जी के पक्ष में प्रमुख रूप से जाती है, वह यह है कि भाजपा के खिलाफ टी.एम.सी. का चुनावी स्ट्राइक रेट कांग्रेस से बेहतर रहा है। एन.सी.पी. के संस्थापक शरद पवार ने हाल ही में यह स्वीकार किया तथा ममता बनर्जी को एक "ऐसा सक्षम नेता बताया, जिसे इंडिया ब्लाक के नेतृत्व का दावा प्रस्तुत करने का अधिकार है।" उन्होंने आगे कहा, "उन्होंने जो सांसद संसद में भेजे हैं, वे मेहनती तथा सजग हैं।"

'सभी एम.ओ.यू. की रिपोर्ट एक साल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए 1200 करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति, पांच नवीन औद्योगिक क्षेत्रों को भूखंड आवंटन तथा रीको द्वारा आठ औद्योगिक क्षेत्र नियोजित किए गए हैं। शर्मा ने कहा कि राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर लाने के लिए हम अगले तीन साल में जी.आई. (ग्लोबल इंडैक्स) टैग की संख्या को दोगुना करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जी.आई. टैग वाले उत्पाद गांव से ग्लोबल की तरफ बढ़ेंगे, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "विकास भी विरासत भी" विजन को साकार करेंगे।

शर्मा ने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग प्रदेश के औद्योगिक ढांचे की रीढ़ हैं। एम.एस.एम.ई. क्षेत्र राजस्थान की जी.एस.डी.पी. में करीब 25 प्रतिशत योगदान दे रहा है तथा इसके साथ ही निर्यात में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार "निर्यात वृद्धि, सर्व समृद्धि" में विश्वास करती है, जो निर्यातकों की समृद्धि और उनके सशक्तीकरण पर केन्द्रित है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान निर्यात संवर्धन नीति 2024 जारी की है। मुख्यमंत्री निर्यात वृद्धि अभियान में नए उद्यिमयों को निर्यातक बनाने के लिए निर्यात प्रक्रिया एवं दस्तावेजीकरण के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने समिट के इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए सभी मंत्रियों, निवेशकों, उद्योगपतियों, अधिकारियों-कर्मचारियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि समिट में विशेषज्ञों द्वारा दिये गये नए आइडिया से राजस्थान के भविष्य को उज्ज्वल एवं मजबूत बनाने के लिए प्रेरणा मिलेगी।

इस अवसर पर, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि राजस्थान पहले केवल पर्यटन के लिए जाना जाता था, लेकिन अब इस समिट के सफल आयोजन से प्रदेश उद्योग क्षमताओं के लिए भी जाना जा रहा है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न कंपनियों और उपक्रमों के एग्जीबिटर बूथ का जायजा लिया और "बिल्डिंग ए सिक्योर नेशन" बूथ पर आधुनिक हथियारों का निरीक्षण किया। उन्होंने हिंदुस्तान जिंक के बूथ पर 3डी आई.वी.आर. तकनीक के माध्यम से हिंदुस्तान जिंक की माइन्स का वर्चुअल टूर किया तथा इसके साथ ही, राज्य सरकार द्वारा लगाए गए "आई स्टार्ट राजस्थान" बूथ पर रोबॉटिक डॉग का रिमोट से संचालन भी किया। मुख्यमंत्री ने उत्तर पश्चिम रेलवे के बूथ पर भारतीय रेलवे के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स के मॉडल्स का जायजा भी लिया। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने सिंकटेक, धूत संगमरमर, हिंगोनिया पुनर्वास केन्द्र और एम्बेसी ऑफ डेनमार्क के एग्जीबिटर बूथ का भी निरीक्षण किया।

मौलाना मदनी ने जे.पी.सी. की बैठक में वक्फ बिल का विरोध किया

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर। वक्फ बिल में संशोधन को लेकर गठित जे.पी.सी. की आज हुई मीटिंग में दारुल उलूम देवबंद की तरफ से शामिल प्रतिनिधिमंडल ने वक्फ बिल को खारिज कर दिया। सूत्रों के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल की तरफ से मीटिंग में मौलाना अरशद मदनी ने करीब 2 घंटे तक अपनी बात रखी। मदनी ने कहा, अगर ये संसोधन आए तो मुसलमानों की इबादतगाहें महफूज़ नहीं रह पाएगी।

- उन्होंने कहा, यदि ये संशोधन आये तो मुसलमानों की इबादतगाहें महफूज़ नहीं रह पायेंगी।

मुल्क में इतनी पुरानी मस्जिदें और इबादतगाहें हैं, जिनका अब कई सौ बरस बाद यह बताना मुश्किल है कि इनके वाकिफ (वक्फ करने वाला) कौन है। इस संसोधन में कई बड़ी खामिया हैं, जिसको लाने के पीछे की नियत ठीक नहीं है।

ज्ञातव्य है कि वर्तमान में वक्फ संशोधन बिल जॉइंट पार्लियामैंट्री कमेटी के पास है। इस मामले में ऐसी संभावना जताई जा रही थी कि संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान केंद्र सरकार इस बिल को पास करा सकती है। हालांकि, अब तक ऐसा नहीं हो सका है। वहीं वक्फ बोर्ड के मामले पर देश के ईसाई सांसदों ने मुस्लिमों का समर्थन करने का फैसला किया है।

राहुल ने बिड़ला से सदन चलाने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होने से पहले बिरला से उनके कक्ष में मिले। विपक्ष के नेता ने बिरला से मुलाकात के बाद संसद भवन परिसर में पत्रकारों को यह जानकारी देते हुए बताया, मैंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ आज बैठक की और उनसे कहा है कि हाउस चलना चाहिए और हम चाहते हैं हाउस चले। हाउस चलाना हमारी नहीं उनकी जिम्मेदारी है। मैंने उनसे यह भी कहा कि हमारी पार्टी के सांसद चाहते हैं कि मेरे खिलाफ जो अपशब्द कहे गये हैं उनको हटाया जाना चाहिए। मेरे खिलाफ सदन में की गई अपमानजनक टिप्पणियों को कार्यवाही से सरकार हटा दे।

- राहुल गाँधी ने लोकसभा स्पीकर से कहा कि उनके खिलाफ सदन में की गई अपमानजनक टिप्पणियों को कार्यवाही से हटा दिया जाना चाहिए।

ई.वी.एम. से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दबदबा रहा है। लेकिन भाजपा इस बार प्रमुख आप नेताओं, जिनमें केजरीवाल भी शामिल हैं, के भ्रष्टाचार का हवाला देते हुये, बेहतर परिणामों की आशा सँजोये हुये है। सर्वोच्च न्यायालय जाने के निर्णय की घोषणा बुधवार एन.सी.पी. (एस.पी.) के नेता प्रशान्त जगतप ने की। जगतप इस बार पुणे की हदायसर सीट से विधानसभा चुनाव हार गये थे।

अम्बेडकर की मूर्ति के पास संविधान की किताब फाड़ने से हिंसा भड़की

परभणी (महाराष्ट्र), 11 दिसंबर। महाराष्ट्र के परभणी जिले में बुधवार को उस समय हिंसा भड़क उठी जब एक अज्ञात व्यक्ति ने बाबासाहेब अंबेडकर की मूर्ति के पास संविधान की प्रतिकृति को क्षतिग्रस्त कर दिया।

भीड़ मूर्ति के पास जमा हो गई और पथराव किया। कुछ लोगों द्वारा आज परभणी बंद के आ ान को देखते हुए इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस तैनात की गई है। अंबेडकर की मूर्ति के सामने प्रतीकात्मक संविधान की किताब फाड़े जाने के खिलाफ लोग अभी भी वहां विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। लोगों ने नांदेड़ राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया और वहां आगजनी करने के अलावा पथराव भी किया। पुलिस नियंत्रण कक्ष परभणी ने कहा, हिंसा में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। हिंसा के दौरान कई कारों और दुकानों में तोड़फोड़ की गई है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए दंगा नियंत्रण पुलिस और एस.आर.पी.एफ. को तैनात किया गया है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि संविधान का अपमान करने वालों को फांसी दी जानी चाहिए।

पुलिस की ओर से स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े गए। पुलिस ने मामले के संबंध में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

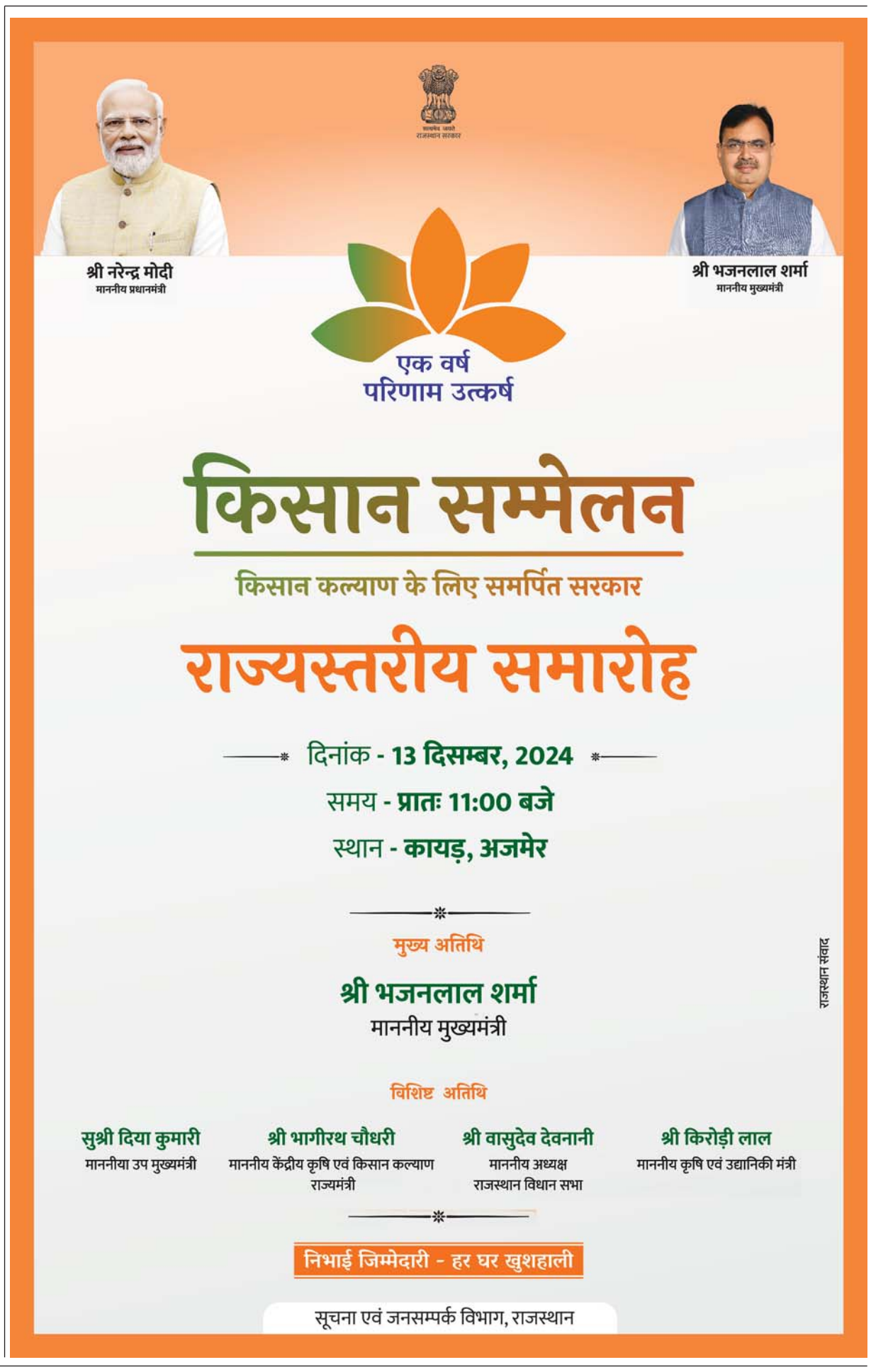

मुख्यमंत्री के काफिले से तेज रफ्तार टैक्सी टकराई, ए.एस.आई. की मौत

जगतपुरा अक्षरधाम चौराहे पर हुई टक्कर में सी.एम. काफिले की दो कार क्षतिग्रस्त

- मुख्यमंत्री भजन लाल लघु उद्योग भारती के सोहन सिंह स्मृति कौशल विकास केन्द्र के लोकापर्ण समारोह में भाग लेने जा रहे थे। हादसे में टैक्सी ड्राइवर व 4 पुलिसकर्मी घायल हुए।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 11 दिसम्बर। राजधानी जयपुर के जगतपुरा इलाके में तेज रफ्तार टैक्सी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के काफिले में घुसकर दो गाड़ियों को टक्कर मार दी। इस हादसे में गंभीर रुप से घायल ए.एस.आई. सुरेन्द्र सिंह की देर शाम अस्पताल में मौत हो गई, जबकि 4 पुलिसकर्मी और टैक्सी ड्राइवर समेत, 6 लोगों का उपचार चल रहा है। बुधवार दोपहर को जगतपुरा इलाके में अक्षय पात्र चौराहे पर हुई इस घटना को मुख्यमंत्री की सुरक्षा में चूक से जोड़कर भी देखा जा रहा है। हादसे के बाद, मौके पर हड़कंप मच गया। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा स्वयं घायलों को लेकर महात्मा गांधी हॉस्पिटल पहुंचे, जहां से तीन लोगों को जीवन रेखा अस्पताल में रैफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, बुधवार दोपहर 3 बजे सी.एम. हाउस से मुख्यमंत्री का काफिला निकला था। भजनलाल शर्मा लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित सोहन सिंह स्मृति कौशल विकास केन्द्र के लोकार्पण कार्यक्रम में हिस्सा लेने जा रहे थे। इसी दौरान जगतपुरा इलाके में अक्षयपात्र चौराहे पर मुख्यमंत्री के काफिले में चल रही दो गाड़ियों को गलत दिशा से आई टैक्सी कार ने तेज टक्कर मार दी। हादसे में ए.एस.आई. (सहायक उपनिरीक्षक) सुरेन्द्र सिंह गंभीर रुप से घायल हो गए। उनके सिर पर चोट आई थी, उन्हें जीवन रेखा में एडमिट कराया गया, जहां देर रात करीब 8 बजे उन्होंने दम तोड़ दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अक्षय पात्र चौराहे पर ट्रैफिक रोका गया था, लेकिन गलत दिशा से आई तेज रफ्तार टैक्सी गाड़ी मुख्यमंत्री के काफिले की ओर बढ़ती दिखी, तो वहां तैनात ए.एस.आई. सुरेन्द्र सिंह ने टैक्सी को रोकने की कोशिश की। लेकिन, टैक्सी चालक ने सुरेन्द्र सिंह को टक्कर मार दी। इसके बाद टैक्सी सी.एम. के काफिले की गाड़ियों से टकरा गई। इससे एक गाड़ी डिवाइडर पर चढ़ गई और दूसरी गाड़ी पलट गई।

हादसे के बाद, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपनी गाड़ी से उतरे और घायलों को अस्पताल लेकर पहुंचे। चार पुलिसकर्मियों, बलवान सिंह, देवेन्द्र सिंह, ए.सी.पी. अमीर हसन और राजेन्द्र का उपचार चल रहा है। टक्कर मारने वाली गाड़ी का ड्राइवर पवन और उसका साथी भी घायल हो गया। पवन का इलाज महात्मा गांधी हॉस्पिटल में चल रहा है। उसका साथी सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती है। टैक्सी ड्राइवर के पास संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई.) का आइडैंटिटी कार्ड भी मिला है। हादसे के बाद पुलिस ने कार मालिक को बुलाया, लेकिन कार मालिक का कहना है कि पवन आज छुट्टी पर था, पता नहीं कैसे गाड़ी लेकर पहुंच गया।

पूरे घटनाक्रम में मुख्यमंत्री की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट) आगामी 27 फरवरी को

16 दिसम्बर 2024 से 15 जनवरी 2025 तक होंगे रीट के आवेदन

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट-2024) का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। रीट परीक्षा के लिए लेवल एक व दो के ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 16 दिसंबर से शुरू होगी और 15 जनवरी 2025 तक चलेगी। अभ्यर्थी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस बार रीट परीक्षा 27 फरवरी 2025 को आयोजित की जाएगी।

सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया कि इस बार रीट परीक्षा के पैटर्न में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। परीक्षा ओएमआर शीट पर होगी और इसमें पांचवां विकल्प (पांचवा ऑप्शन) शामिल किया गया है। यह बदलाव परीक्षा को अधिक पारदर्शी और सटीक बनाने के उद्देश्य से किया गया है।

दो पारियों में होगी परीक्षा :- सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया किरीट 2024 परीक्षा दो अलग-अलग स्तरों (लेवल) की होगी, जो एक ही दिन में दो पारियों में आयोजित की जाएगी। प्राथमिक स्तर (लेवल 1) और उच्च प्राथमिक स्तर (लेवल 2) की परीक्षाएं अलग-अलग समय पर होंगी। यह व्यवस्था सुनिश्चित करेगी कि दोनों परीक्षाओं के संचालन में कोई परेशानी न हो। प्रथम पारी की परीक्षा 27 फरवरी को प्रात: 10 बजे से 12.30 बजे तक होगी। द्वितीय पारी की परीक्षा दोपहर 3 बजे से सायं 5.30 बजे तक आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थी अधिक होने की स्थिति में परीक्षा का एक दिन बढ़ाया जा सकता है।

- **परीक्षा ओएमआर शीट पर होगी और इसमें पांचवां विकल्प (पांचवां ऑप्शन) शामिल किया गया है**

परीक्षा केंद्र और सुरक्षा इंतजाम :- उन्होंने बताया कि परीक्षा प्रत्येक जिला मुख्यालय पर आयोजित की जाएगी। बोर्ड ने यह भी सुनिश्चित किया है कि परीक्षा को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए सख्त सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और निगरानी के लिए विशेष टीमें तैनात की जाएंगी।

बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध है लिंक :- रीट परीक्षा 2024 से संबंधित सभी जानकारियां और आवेदन लिंक माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। अभ्यर्थी समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। लेवल एक व दो के लिए 550 रूपए परीक्षा शुल्क रखा गया है। कोई अभ्यर्थी दोनों लेवल के लिए आवेदन करता है तो उसे 750 रूपए शुल्क देना होगा।

नाबालिग से दुराचार व हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास

अजमेर की पॉक्सो कोर्ट के न्यायाधीश ने दो लाख के अर्थदंड से दंडित किया

अजमेर, (कासं)। नाबालिग बालिका से दुराचार कर जहर देकर हत्या करने के मामले में बुधवार को अजमेर की पॉक्सो कोर्ट संख्या-1 के न्यायाधीश ने आरोपी युवक को अंतिम सांस तक आजीवन कारवास की सजा सुनाते हुए दो लाख रुपए के अर्थदंड से भी दंडित किया।

पॉक्सो कोर्ट के विशिष्ट लोक अभियोजक रूपेंद्र परिहार ने बताया कि परिवादी ने मसूदा थाने में 2 अगस्त 2022 को मुकदमा दर्ज कराया था, जिसमें बताया कि उनकी 16 साल की बेटी को आरोपी शंभूसिंह सुबह करीब नौ बजे अपने साथ खेत पर ले गया, जहां उसने उसके साथ दुराचार कर विषाक्त पदार्थ का सेवन करा दिया। खेत से जब उनकी बेटी घर पर आई तो उसे स्थानीय अस्पताल में उपचार के लिए लेकर गए, चिकित्सकों ने उसकी नाजुक हालत को देखते हुए अजमेर के जेएलएन अस्पताल रैफर कर दिया। अस्पताल में छह दिन तक मासूम जीवन और मौत के बीच संघर्ष करती रही और उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

- **अभियोजन पक्ष की ओर से कोर्ट में मामले में 21 गवाह और 34 दस्तावेज पेश किए गए**

मसूदा थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के साक्ष्य छुपाने के आरोप में आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया। परिहार ने बताया कि अस्पताल में पीड़िता के बयान दर्ज नहीं को सके थे। अभियोजन पक्ष की प्रकरण में सर्कमट्रांसिस एविडेंस और पीड़िता के शरीर से लिए गए वीसरा रिपोर्ट के आधार पर यह फैसला सुनाया गया है। अभियोजन पक्ष की ओर से मामले में 21 गवाह और 34 दस्तावेज पेश किए गए थे।

पोस्टमार्टम से हुआ खुलासा :- लोक अभियोजक परिहार ने बताया कि मृतका का मेडिकल बोर्ड पोस्टमार्टम करवाया गया था। कोर्ट में डॉक्टर ने दिए बयान में बताया कि मृतका के दाहिने तरफ एंगल आफ माउथ पर कुचला हुआ घाव के चोट के निशान थे, जो 24 घंटे के भीतर के निशान थे। डॉक्टर ने बताया कि मृतका के शरीर में जहर पाया गया। पॉस्को कोर्ट के न्यायाधीश ने फैसला सुनाते हुए टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसे अपराध करने वालों के विरुद्ध नरमी का रूप अपनाया जाना न्यायोचित नहीं है, अंत कठोर धन से दंडित किया जाए।

सराड़ी गांव में खेत में सिंचाई के लिए पहुंचे किसानों को लेपर्ड दिखा

दो दिन पहले भी दिखा था लेपर्ड, ग्रामीणों में भय, वन विभाग व प्रशासन से पिंजरा लगाने की मांग की

उदयपुर, (का.सं.)। उदयपुर संभाग के सलूंबर के सराड़ी गांव में बुधवार को भी लेपर्ड देखा गया। खेत में लेपर्ड को देखकर ग्रामीणों में भय व्याप्त हो गया है। जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह खेत में पानी देने पहुंचे चार किसानों के सामने अचानक लेपर्ड आ गया और गुर्राते हुए उनकी तरफ बढ़ने लगा। सबने मिलकर शोर मचाया तो लेपर्ड झाड़ियों में भाग निकला।

- **शोर मचाने पर लेपर्ड तुरंत दीवार कूदकर झाड़ियों में भाग गया**
- **'वन विभाग के पास इस रेंज में एक ही पिंजरा है जबकि लेपर्ड के मूवमेंट की शिकायतें आसपास के अन्य गांवों से भी आ रही हैं, अलग पिंजरे की व्यवस्था कराने की मांग की'**

बुधवार सुबह करीब 7:30 बजे सराड़ी के पास लेपर्ड के पास खेत में काम कर रहे भैरा गायरी, बाबर गायरी, रूपा सालवी, किशन सालवी, देवा तवेड ने देखा। सराड़ी में कालीमगरी, गामरा कुआं पर खेती करने वाले झमकलाल ने बताया कि सुबह के समय बिजली की आपूर्ति होने से खेतों में पानी देने जाना पड़ता है। आज सुबह 7:30 बजे भैरा गायरी, बाबर गायरी, रूपा सालवी, किशन सालवी, देवा तवेड उनके खेत की दीवार के पास बैठे थे।

इसी दौरान पत्तों की सरसराहट हुई और एक लेपर्ड दीवार कूदकर खेत में घुसता नजर आया। वह उन पांच लोगों से करीब 35 फीट दूरी पर था। देखने में बड़ा भयानक लग रहा था। गुर्राहट भी साफ सुनाई दे रही थी। हमने सबने मिलकर कर शोर मचाया तो लेपर्ड तुरंत दीवार कूदकर दोबारा झाड़ियों में भाग गया। हमारी मांग है कि खेतों की तरफ भी पिंजरे लगाए जाएं ताकि लेपर्ड पकड़ में आ सके।

लेपर्ड की दिखाई देने की ग्रामीणों ने सूचना भाजपा जिला उपाध्यक्ष चंद्रशेखर जोशी को दी। जोशी ने इस मामले में सलूंबर जिला कलेक्टर जेएस संधू और वन विभाग के अधिकारी लोकेंद्र सिंह से बात कर पिंजरा लगाने की मांग की। इससे दो दिन पहले सोमवार को इसी खेत के पास ग्रामीणों को देर रात टॉर्च की रोशनी में लेपर्ड नजर आया था। बड़ा सा लेपर्ड और उसकी चमकीली आंखें देख ग्रामीण जान बचा कर वहां से भागे और 2 दिन तक खेत पर ही नहीं गए।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष चंद्रशेखर जोशी ने बताया. वे ग्रामीणों की सूचना पर गांव में गए और अधिकारियों से बात कर पिंजरा लगाने की मांग की। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि लेपर्ड का मूवमेंट बढ़ा हुआ है ऐसे में सावधानी जरूरी है। उन्होंने कहा कि बच्चों को भी सावचेत करें और अकेले बाहर नहीं निकलने दें।

जोशी ने बताया कि वन विभाग के पास इस रेंज में एक ही पिंजरा है जबकि लेपर्ड के मूवमेंट की शिकायतें आसपास के अन्य गांवों से भी आ रही हैं। जोशी ने इस संबंध में सलूंबर विधायक शांता देवी मीणा से बात कर कहा कि करावली वन नाका के लिए एक अलग पिंजरे की व्यवस्था कराई जाए, क्योंकि जयसमंद कैचमेंट एरिया मेवल क्षेत्र में लेपर्ड के हमले की शिकायतें ज्यादा आ रही है।

29 जुआरी पकड़े, 10.87 लाख की नगदी जब्त

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के कारोई थाना क्षेत्र में एक फार्म हाउस पर जुआ खेल रहे 29 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं दांव पर लगे 10.87 लाख की नकदी व जुआ सामग्री के साथ ही नौ लग्जरी वाहन जब्त किये हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्रसिंह ने बताया कि पुलिस मुख्यालय द्वारा निरन्तर राज्य में जुआ, शराब, हथियार व मादक पदार्थ की धरपकड़ के लिए निर्देश जारी किये गये हैं। इसी के तहत एएसपी सहाड़ा रोशन पटेल व डीएसपी गंगापुर रविन्द्रप्रताप सिंह के सुपरविजन में कारोई व गंगापुर थाना पुलिस की टीम गठित की गई। इस बीच, कारोई पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सुंदरपुरा में स्थित फार्म हाउस में जुआ खेला जा रहा है। इस सूचना पर पुलिस टीम ने फार्म हाउस पर दबिश देकर घेराबंदी की। मौके पर 29 लोग घोड़ादाना पर रुपयों का दांव लगाकर जुआ खेलते मिले। पुलिस ने सभी 29 जुआरियों को गिरफ्तार कर मौके से 10 लाख 87 हजार 50 रुपये की नकदी व जुआ सामग्री के साथ ही नौ लग्जरी वाहन जब्त किये।

विवाहिता की संदिग्ध अवस्था में मौत

भरतपुर, (निसं)। विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत होने पर उसके परिजनों की शिकायत पर बुधवार को जिला आरबीएम अस्पताल में मृतका के शव का मेडिकल बोर्ड से कराया गया, जिसके बाद मथुरा गेट थाना पुलिस ने शव को मृतका के परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया है कि मृतका के पति ने महिला की हत्या की है। महिला की मौत गुड़गांव में होने पर परिजनों की शिकायत पर मथुरा गेट थाना पर जीरो डिग्री की एफआईआर दर्ज की गई है। मृतका के परिजनों ने बताया कि इसी वर्ष 26 अप्रैल को नीतू व उसकी बहन निशा की शादी नगर निवासी विकास व उसके भाई शिवम के साथ हुई थी।

शादी पर सामर्थ्य के हिसाब से खर्चा किया, लेकिन नीतू का पति विकास दहेज में मिली मोटरसाइकिल से संतुष्ट नहीं था। शादी के कुछ दिनों बाद ही विकास ने कार की मांग को लेकर नीतू के साथ मारपीट व प्रताड़ना शुरू कर दी, जिसके बाद कई बार समझाइश भी की गई, जिसके बाद विकास नीतू को लेकर गुड़गांव में रहकर कार्य करने लगा। वहां भी दहेज की मांग को लेकर विकास के द्वारा नीतू से कई बार मारपीट की गई।

नौ दिसम्बर को नीतू ने अपने परिजनों को फोन कर बताया कि विकास ने कार की मांग को लेकर उसके साथ मारपीट की है। इसके अगले दिन नीतू के ससुर महेन्द्र ने फोन कर बताया कि नीतू की मौत हो गई है और विकास नीतू के शव को नगर ले आया है, जिसके बाद मृतका के परिजन नगर पहुंचे जहां नीतू के शरीर पर चोटों के निशान थे, जिस पर परिजनों का कहना है कि नीतू की विकास ने दहेज की मांग को लेकर हत्या कर दी है। जिस पर मृतका के परिजन शव को भरतपुर ले आए, जहां उन्होंने मथुरा गेट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराकर शव का पोसटमार्टम कराने की मांग की। जिसके बाद पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम कराया।

कार सवार को आपसी रंजिश में गोली मारी

बीकानेर, (निसं)। आपसी रंजिश में बाइक सवारों ने कार में जा रहे दो युवकों पर फायरिंग कर दी। ताबड़तोड़ फायरिंग में एक गोली कार में बैठे युवक के सीने में लगी। इसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी हालत खतरे से बाहर है।

मामला बीकानेर के कोटगेट थाना इलाके के रानी बाजार मीना नर्सिंग होम रोड का है। कोटगेट थाने के एसएचओ मनोज शर्मा ने बताया कि हमला सोहेल और अनस पर हुआ। इसमें सोहेल के सीने में गोली लगी है। वह बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती है। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई है। मामले को लेकर नाकाबंदी की गई और 4 हमलावरों को डिटेन किया गया है। उनसे पूछताछ जारी है। इसे लेकर बुधवार को सोहेल के भाई ने एफआईआर दी है। घटना के बाद बीकानेर रेंज आईजी ओमप्रकाश और एसपी कावेंद्र सागर भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने मौके से जानकारी ली।

राजधानी

प्राचीन भारतीय संस्कृति को करें पुनः प्रतिष्ठित : धनखड़

जयपुर। ज्ञान और कौशल के भरोसे ही विकसित भारत का संकल्प सार्थक होगा। कौशल से व्यक्ति को सामर्थ्य और सम्मान दोनों ही मिलते हैं। ये कहना है उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का। वे आज जयपुर में अपैरल पार्क रीको औद्योगिक क्षेत्र में लघु उद्योग भारती की ओर से नव निर्मित सोहन सिंह स्मृति कौशल विकास केंद्र के लोकार्पण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को जयपुर में अपैरल पार्क रीको औद्योगिक क्षेत्र में लघु उद्योग भारती की ओर से नव निर्मित सोहन सिंह स्मृति कौशल विकास केंद्र का लोकार्पण किया।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत का रास्ता ग्रामीण परिवेश और लघु उद्योग से होकर जाता है, ऐसे कौशल केंद्रों से जाता है। क्योंकि विकसित भारत की जो चुनौती है, वह हमारी प्रति व्यक्ति आय है और उसमें आठ गुना बढ़ोतरी होना आवश्यक है। यह बात ठीक है, चाहे जल हो, चाहे थल हो, चाहे आकाश हो, चाहे अंतरिक्ष हो भारत बड़ी छलांग लगा रहा है। संस्थागत ढांचा विश्व स्तरीय बन रहा है। पर इन सबके बाद भी एक चीज जो हमारे भीतर है राष्ट्रवाद, राष्ट्र प्रेम, हम भारतीय हैं भारतीयता हमारी पहचान है। राष्ट्रवाद से हम कभी समझौता नहीं कर सकते। यह राष्ट्रवाद में निहित है कि देश का हर व्यक्ति अपने आप को समृद्ध और सुखी पाये और यह तभी संभव है, जब हमारा सोच कुटीर और ग्रामीण उद्योगों पर जाए।

धनखड़ ने कहा कि लंबे अंतराल के बाद एक नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू किया गया, उसमें कौशल और नवाचार दोनों पर बहुत ध्यान दिया गया है क्योंकि सिर्फ डिग्री से कुछ हासिल नहीं होता। यदि आप किसी भी काम में कौशल रखते हैं, तो आप समाज के विकास में बहुत बड़ा योगदान करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश से कच्चा माल बाहर क्यों जाये, क्यों नहीं उसके लिए प्रोसेस यूनिट बने।साथ ही जलवायु परिवर्तन और वोकल फॉर लोकल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ.कृष्ण गोपाल ने कहा कि किसी विशेष कारण से अगर किसी परिवार के बच्चे दसवीं या बारहवीं से अधिक नहीं पढ़ पाए, तो उनके लिए आगे बढ़ने के सारे रास्ते ही बंद हो जाते हैं। ऐसे बच्चे बहुत ही मामूली से वेतन पर अपने परिवार की आजीविका के लिए संघर्ष करते हैं। आईआईटी और एनआईटी से परे भी बहुत कुछ है जो हमारे युवा संसाधन के लिए सम्बल प्रदान करने वाला है।

राष्ट्रीय सचिव नरेश पारीक, प्रदेश अध्यक्ष शांतिलाल बालड़, जोधपुर अंचल अध्यक्ष महावीर चोपड़ा, चित्तोड़ अंचल अध्यक्ष पवन गोयल, प्रदेश कोषाध्यक्ष अरुण जाजोदिया, भवन निर्माण से जुड़े वरिष्ठ उद्यमी नटवरलाल अजमेरा और केंद्र के व्यवस्थापक महेंद्र खुराना और नवरतन नारानिया ने अतिथियों का स्वागत किया।

सौर ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनने से प्रदेश में उद्योग पनपेंगे : प्रकाश चंद्र

जयपुर। लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री प्रकाश चंद्र ने कहा कि राजस्थान के लोगों में वो वाणिज्य कौशल और संकल्प सिद्धि है जिसकी बदौलत वे जहां भी गए, वहां उन्होंने राजस्व और रोजगार सृजन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। लेकिन अपनी ही मातृभूमि पर वे उतना निवेश नहीं कर पाए, तो इसके पीछे निश्चित तौर पर कमियां तो रही हैं और उनका समाधान शासन की ओर से अब आना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों से प्रवासी उद्यमी निवेश के लिए अपना मन बना रहे हैं। वे आज राइजिंग राजस्थान के अंतिम दिन एमएसएमई कॉन्क्लेव को सम्बोधित कर रहे थे। प्रकाश चंद्र ने कहा कि देशभर में रोजगार सृजन में लघु उद्योगों की बडी भूमिका है जिसे नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने प्रदेश को निवेश की अपार संभावनाओं वाला बताया।

मुख्यमंत्री आज करेंगे विद्या समीक्षा केंद्र का उद्घाटन

8020 स्मार्ट कक्षाओं का लोकार्पण भी होगा

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को शिक्षा संकुल में नव निर्मित विद्या समीक्षा केंद्र का उद्घाटन करेंगे। यह कार्यक्रम वर्चुअल माध्यम से आयोजित होगा, जिसमें मुख्यमंत्री जोधपुर में चल रहे मेगा रोजगार मेले के दौरान बटन दबाकर इस केंद्र का लोकार्पण करेंगे।

इस दौरान राज्य के इस कड़ी में करीब 9624 लाख रुपए की लागत से प्रदेश के 4010 राजकीय विद्यालयों में नव स्थापित 8020 स्मार्ट कक्षाओं का लोकार्पण भी किया जाएगा। साथ ही कक्षा 8वीं, 10वीं एवं 12वीं के 23,100 मेधावी विद्यार्थियों को टेबलेट और कृषि, ऑटोमोबाइल, ब्यूटी एंड वैलनेस, हेल्थ केयर, अपेरल मेडअप व होम फर्निशिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं हार्डवेयर और प्लम्बर सहित 7 सेक्टर की 75,325 कौशल सामग्री का वितरण भी किया जाएगा।

इस संबंध में प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बताया कि यह केंद्र प्रदेश के 68 हजार से अधिक विद्यालयों में पढने वाले 81 लाख विद्यार्थियों, 4 लाख शिक्षकों और सवा लाख कर्मचारियों के डेटा की निगरानी करेगा। यह प्लेटफ़ॉर्म राष्ट्रीय विद्या समीक्षा केंद्र से जुड़ा है, जिससे राज्य के शिक्षा प्रदर्शन संकेतकों की सटीक निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी।

उन्होंने कहा कि यह पहल तकनीक, डेटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके विद्यार्थियों के समग्र विकास, शिक्षकों के सशक्तिकरण और प्रशासकों को मजबूत बनाने में मील का पत्थर साबित होगी। शिक्षा मंत्री ने ये भी कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा इस महत्वाकांक्षी परियोजना के शुभारंभ के साथ, राज्य शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने की दिशा में अग्रसर होगा। इस तरह की आधुनिक तकनीकी पहल से राज्य के विद्यार्थियों का भविष्य उज्ज्वल और समृद्ध बनेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान छू रहा है विकास की नई ऊंचाइयां : धर्मेंद्र प्रधान

'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक भारत दुनिया का सबसे ताकतवर अर्थनीति बनेगा तथा राजस्थान भारत का अग्रणी राज्य होगा'

जयपुर। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके कुशल नेतृत्व में राजस्थान विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक भारत दुनिया का सबसे ताकतवर अर्थनीति बनेगा तथा राजस्थान भारत का अग्रणी राज्य होगा।

प्रधान बुधवार को यहां राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार ने अपने पहले ही वर्ष में राइजिंग राजस्थान समिट का सफल आयोजन किया है तथा उनके नेतृत्व में राजस्थान विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि वह अत्यंत हर्ष के साथ उल्लेख करना चाहते है कि शायद यह भजनलाल शर्मा और उनकी टीम का नसीब है कि पहले ही साल में उन्होंने बाउंड्री पार कर दिया हैं। बताया गया हैं कि निवेश के लिए अब तक 35 लाख करोड़ रुपए के एमओयू हो चुके हैं जो अपने आप में राजस्थान और उसके नये नेतृत्व के विजन के प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूर दृष्टि का परिचय हैं। उन्होंने शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि यह सब एमओयू जमीन पर उतरे।

उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अपनी बात में इस बात पर बल दिया है कि यह सब बातों ही नहीं होगा और निवेश के लिए जो एमओयू हुए हैं वे सारे जमीन पर भी उतरेंगे। यह काम राजस्थान तक ही सीमित नहीं रहेगा इसका पूरे देश में प्रभाव पड़ेगा। प्रधान ने कहा कि दुनिया के प्रत्येक कोने में राजस्थान का उद्यमी मौजूद है तथा प्रत्येक राजस्थानी अब आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में नई ऊंचाइयां छू रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार राज्य के प्रमुख शैक्षिणक शिक्षा आईआईटी जोधपुर, केन्द्रीय विश्व विद्यालय जैसे संस्थान में एडवांस टैक्नोलॉजी लैब को स्थापित करने में मदद करेगी।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान

- **निवेश के लिए अब तक 35 लाख करोड़ रुपए के एमओयू हो चुके हैं जो अपने आप में राजस्थान और उसके नये नेतृत्व के विजन के प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूर दृष्टि का परिचय हैं : प्रधान**

राजस्थान की विपरीत भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद 11 प्रतिशत की विकास दर प्रदेशवासियों की मेहनत को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान केवल पूंजी निर्माता ही नहीं बल्कि नॉलेज बेस्ड इकोनोमी है। यहां आईआईटी, आईआईएम, एम्स सहित सभी विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थान मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश को जॉब सीकर्स से ज्यादा जॉब क्रिएटर्स की जरूरत है लेकिन राजस्थान के व्यक्ति को उद्यमिता सिखाने की जरूरत नहीं है उसमें यह खूबी जन्म से ही होती है। उन्होंने कहा कि जैसे खाड़ी देश विश्व अर्थनीति के केन्द्र हैं, वैसे ही भविष्य में जयपुर-जैसलमेर दुनिया के अर्थनीति के केन्द्र बनना तय हैं तथा यह समिट इसको दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

फर्जी दस्तावेज बनाकर बैंकों से ऋण उठाने वाला गिरफ्तार

जयपुर। विद्याधर नगर पुलिस ने फर्जी दस्तावेज बनाकर बैंक से लाखों रुपए की ठगी करने वाले एक शातिर ठग को गिरफ्तार किया है। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ जयपुर के विभिन्न थानों में कई मामले दर्ज है और इसके अलावा एक प्राइवेट बैंक से पांच लोन लेकर बैंक को लाखो का चूना भी लगाया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा ने बताया कि विद्याधर नगर थाना पुलिस ने फर्जी दस्तावेज बनाकर बैंक से लाखों रुपए की ठगी करने वाले एक शातिर ठग विष्णु लखेरा उर्फ विष्णु लक्षकार निवासी सांगानेर जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी विष्णु लखेरा ने अपनी खुद की अलग-अलग आईडी बनाकर रखी थी।

थानाधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि विधाधर नगर थाने में एचडीएफसी बैंक की एग्जीक्यूटिव प्रिया शेखावत ने मामला दर्ज करवाया था कि आरोपित विष्णु गुप्ता ने अपने नाम से आधार और पैन कार्ड की तीन अलग-अलग तरह की आईडी बना रखी है। इन आईडी से वह पांच तरह के लोन लेकर लाखों का नुकसान पहुंचा चुका है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पडताल में जुटी तो वही मामला दर्ज होने के बाद आरोपी विष्णु गुप्ता फरार हो गया। इस पर आरोपी की तलाशी शुरू की, जिसके बाद पुलिस ने सुनीता कॉलोनी से आरोपित विष्णु गुप्ता को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि अलग-अलग आईडी से अपने आप के तीन नाम बता रखे थे।

आरोपी के पास से कई फर्जी दस्तावेज भी मिले है। वहीं जांच में सामने आया कि जयपुर सिटी में उसके खिलाफ धोखाधड़ी के चार से ज्यादा मामले दर्ज है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदाते खुलने की आशंका जताई जा रही है।

निलंबित

जयपुर। शासन सचिव महिला एवं बाल विकास महेन्द्र सोनी ने बताया कि अनिल कुमार, बाल विकास परियोजना अधिकारी, श्रीगंगागनर को राजकीय कार्यों में लापरवाही बरतने के कारण निलंबित किया गया है। निलम्बन काल में इनका मुख्यालय निदेशालय, जयपुर में नियत किया गया है।

गले से चेन तोड़ी

जयपुर। वैशाली नगर इलाके में बाइक सवार दो बदमाश एक बुजुर्ग महिला के गले पर झपट्टा मार कर सोने की चेन तोड़कर ले गए। बदमाशों ने हेलमेट पहना हुआ था। पुलिस के अनुसार गुरुजम्भेश्वर नगर निवासी भारती गुप्ता ने मामला दर्ज करवाया कि उसकी सास 80 वर्षीय राममूर्ति गुप्ता मंदिर से वापस घर लौट रही थी।

मानवाधिकार पर पोस्टर जारी

उदयपुर। पेसिफिक अकादमी ऑफ हायर एज्युकेशन एण्ड रिसर्च यूनिवरसिटी के पेसिफिक स्कूल ऑफ लॉ द्वारा अर्न्तराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा साथ ही अर्न्तराष्ट्रीय सर्टिफिकेट कोर्स जो मानवाधिकार से ही संबंधित है का पोस्टर विमोचन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. बी.पी.शर्मा, चैयरमेन, यूनस्को, (एम.जी.आई.ई.पी) ने मानवीय मूल्यों के बनाये रखने की अपील की तथा प्रो. हेमंत कोठारी, प्रेसिडेट, पेसिफिक विश्वविद्यालय ने भी मानवाधिकारों की ईमानदारी से पालना की बात कही। इस अवसर पर ज्योतिका कालरा, भूतपूर्व सदस्य, भारतीय मानवाधिकार आयोग तथा अंजना मेघवाल, सदस्य, महिला आयोग, राजस्थान, कुलदीप शर्मा, सचिव, विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रो. पबेलो, अर्जेन्टीना आदि सभी गणमान्यों ने मानवाधिकारों की पालना व उसके विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे तथा कार्यक्रम में प्राचार्या डॉ. पुष्पा मेहडू ने स्वागत भाषण के साथ ही सर्टिफिकेट कोर्स के बारे में जानकारी दी व कार्यक्रम का संचालन डॉ. रत्ना सिसोदिया ने किया।

इस अवसर पर सभी संकाय सदस्य तथा विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने तेइस बालिकाओं को साइकिल बांटी

उदयपुर। 'जीवन में अनुशासन, प्रतिबद्धता और नियमितता के माध्यम से हर मुकाम पर पहुंचा जा सकता है, इसके लिए इच्छा शक्ति का होना अनिवार्य है। उक्त विचार बुधवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सिन्दू में उत्कृष्ट विद्यार्थियों को निशुल्क साईकिल वितरण समारोह में राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति कर्नल प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कहा कि हम किसी भी मुकाम पर पहुंच जाये हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा को नहीं भूलना है। विद्यापीठ सिन्दू विद्यालय को गोद लेगा और साहित्यिक, खेलकूद एवं अकादमिक गुणवत्ता को बढ़ाने में अपना सहयोग देगा। विद्यापीठ में अध्ययन करने वाली बालिका को फीस में 50 प्रतिशत की छूट एवं निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराई जायेगी।

- **जीवन में सफलता के लिए अनुशासन, प्रतिबद्धता, नियमितता जरूरी : प्रो. सारंगदेवोत**

उदयपुर में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सिन्दू में विद्यार्थियों का साइकिल का वितरण किया।

प्रारंभ में प्रधानाचार्य उमेश माहेश्वरी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए समारोह की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार की योजना के अनुसार 23 बालिकाओं को साईकिल का वितरण किया जा रहा है। माहेश्वरी ने विद्यालय का प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया। अध्यक्षता करते कुल पूर्व सरपंच एवं कुल प्रमुख भंवर लाल गुर्जर ने विद्यार्थियों का आव्हान किया कि आप सभी देश की भावी पीढ़ी है अत: पूरी ईमानदारी के साथ आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत गांव में जगह उपलब्ध करायेगी तो विद्यापीठ द्वारा महाविद्यालय भी खोलने का प्रस्ताव ले सकती है। इस अवसर पर विद्यालय की बालिकाओं द्वारा राजस्थानी गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम का संचालन सुरेश टांक ने किया। इस अवसर पर पुष्कर मालवीय, रमेश पटेल, ज्योति कुमावत, नीलू अग्रवाल सहित विद्यालय के विद्यार्थी सहित गांव के प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

बाल चिकित्सा इकाई का विस्तार

उदयपुर। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में उन्नत तकनीक से युक्त बाल चिकित्सा और नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (पीआईसीयू और एनआईसीयू) का विस्तार कर अपनी स्वास्थ्य सेवाओं में एक और मील का पत्थर जोड़ा है। पीएमसीएच में अपनी नई विस्तारित बाल चिकित्सा गहन चिकित्सा इकाई (पीआईसीयू) और नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) का उद्घाटन पीएमयू के चेयरपर्सन राहुल अठावाल, प्रेसिडेन्ट डॉ.एम.एम.मंगल, पीएमसीएच के ऐक्जिक्यूटिव डॉयरेक्टर अमन अग्रवाल, सीईओ शरद कोठारी, बाल एवं नवजात शिशू रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.सुधीर मावडिया एवं डॉ.पुनीत जैन ने किया है।

इस अवसर पर राहुल अग्रवाल ने बताया कि हमारा उद्देश्य उदयपुर और आसपास के क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना।

इस विस्तार के माध्यम से गंभीर चिकित्सा स्थितियों में बच्चों को तत्काल और प्रभावी उपचार की सुविधा का फायदा मिलेगा। उद्घाटन के इस अवसर पर पीढियाट्रिक आईसीयू विशेषज्ञ डॉ.पुनीत जैन ने बताया कि पीआईसीयू और एनआईसीयू में अत्याधुनिक उपकरण और तकनीक का उपयोग किया गया है। इन इकाइयों में विशेषज्ञ चिकित्सक और प्रशिक्षित नर्सों की टीम चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगी।

रन फ़ॉर विकसित राजस्थान आज

उदयपुर। माननीय मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार वर्तमान राज्य सरकार के एक वर्ष का ऐतिहासिक कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गुरुवार से 17 दिसम्बर तक विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे। कार्यक्रमों की शुरूआत गुरुवार प्रात: 7 बजे रन फॉर विकसित राजस्थान से होगी। इसके तहत फतहसागर स्थित काले किवाड़ से देवली छोर स्थित टाया एस्टेट तक मेराथन आयोजित की जाएगी तत्पश्चात युवा सम्मेलन एवं मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का आयोजन प्रात: 11 बजे होगा। जोधपुर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शिरकत करेंगे। कार्यक्रम का जिला स्तरीय समारोह नगर निगम स्थित सुखाडिया रंगमंच सभागार में होगा।

प्रारूप-10 (नियम-6 (7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद, राजसमन्द

सं. 5824 **लोक-सूचना** दिनांक :10/12/2024

श्री कालुराम सालवी पिता श्री छोगालाल सालवी, श्रीमती हीरी देवी पत्नी श्री कालुराम सालवी, श्री खेमा सालवी पिता श्री हजारी सालवी निवासी उल्लाई तहसील सहाडा जिला भीलवाडा द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र.स.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1	राजसमन्द	तरसिंगड़ा	413/2	रकबा 0.0162 हैक्टेयर
			412/2	रकबा 0.0453 हैक्टेयर
			415	रकबा 0.1781 हैक्टेयर
			409/2	रकबा 0.0202 हैक्टेयर
			410/2	रकबा 0.0202 हैक्टेयर
			411	रकबा 0.3480 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 10/12/2024 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर परिषद, राजसमन्द

प्रारूप-10 (नियम-6 (7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद, राजसमन्द

सं. 5828 **लोक-सूचना** दिनांक :10/12/2024

श्री मुकेश कुमार पिता श्री हजारी लाल भील निवासी गायरियवास एमडी द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र.स.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1	राजसमन्द	एमड़ी	1844/78	रकबा 0.0172 हैक्टेयर में से 0.00079 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 10/12/2024 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर परिषद, राजसमन्द

प्रारूप-10 (नियम-6 (7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद, राजसमन्द

सं. 5826 **लोक-सूचना** दिनांक :10/12/2024

श्रीमती रेणु शर्मा पत्नी श्री पंकज कुमार शर्मा एवं श्री पंकज कुमार शर्मा पिता श्री आनन्दीलाल शर्मा निवासी रक्षाबंधन धानमंडी उदयपुर तहसील गिर्वा जिला उदयपुर द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र.स.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1	राजसमन्द	धोईन्दा	2894	रकबा 0.2428 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 10/12/2024 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर परिषद, राजसमन्द

प्रारूप-10 (नियम-6 (7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद, राजसमन्द

सं. 5862 **लोक-सूचना** दिनांक :11/12/2024

श्री पंकज पिता श्री जगदीश चन्द्र गुर्जर निवासी नई आबादी कांकरोली तहसील व जिला राजसमन्द द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र.स.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1	राजसमन्द	आसोटिया	1844/30	रकबा 0.1593 हैक्टेयर में से रकबा 0.0908 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 11/12/2024 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर परिषद, राजसमन्द

भाजपा संगठन मंडल अध्यक्षों के चुनाव के लिए मुस्तैद

उदयपुर,। भाजपा में संगठन पर्व में प्रथम चरण में बूथ अध्यक्षों के निर्वाचन की प्रक्रिया संपन्न होने के बाद अब दूसरे चरण में मंडल अध्यक्षों के निर्वाचन हेतु भाजपा उदयपुर देहात संगठन ने कमर कस ली है।

जिला निर्वाचन अधिकारी माधोराम चौधरी के निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष डा चंद्रगुप्त सिंह चौहान की अध्यक्षता में बुधवार को मंडल चुनाव प्रभारियों की कार्यशाला बलीचा स्थित भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई।जिला उपाध्यक्ष चंद्रशेखर जोशी ने जानकारी बताया कि कार्यशाला में निर्वाचन प्रक्रिया,मंडल अध्यक्ष पैनल निर्माण,चुनाव नही संगठन पर्व जैसे विषयों पर प्रशिक्षण प्रभारी जिला महामंत्री दीपक शर्मा,जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह आसोलिया, चंद्रशेखर जोशी,शांति लाल जैन ने प्रभारियों को प्रशिक्षण दिया।

जिलाध्यक्ष डा चंद्रगुप्त सिंह चौहान ने इस अवसर पर प्रभारियों को संबोधित करते हुए कहा की यह चुनाव नही अपितु संगठन पर्व हे। सौहार्दपूर्ण वातावरण में निष्पक्ष, पारदर्शी, समन्वय कारी निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न करवानी हे। कम से कम तीन नामो का पेनल बनाकर लाना है यह अनिवार्य होगा। 15 दिसंबर को सभी मंडल निर्वाचन प्रभारियों की बैठक प्रदेश के चुनाव अधिकारियों की उपस्थिति में उदयपुर में होगी,जहां फीडबैक के बाद प्रदेश को पेनल सोपा जायेगा।

महाअभिषेक किया

उदयपुर। गंगुकुण्ड स्थित इस्कॉन मन्दिर पाटोत्सव के अन्तिम दिन बुधवार को प्रात :आठ बजे से गीता जयन्ति के शुभ अवसर पर 108 वैष्णव भक्तो ने श्री मद् भगवत् गीता के 18 अध्याय के 700 श्लोकों सस्वर श्लोक बद्ध सम्पूर्ण गीतापाठ किया। इस्कॉन अध्यक्ष मायापुर वासी दास ने बताया कि आज ही मोक्षदा एकादशी के दिन 3 वर्ष पूर्व इस्कॉन मन्दिर की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा कर स्थापना हुई। इस उपलक्ष्य मे दिन मे सवा बारह बजे दिल्ली से पधारे रोहिणी नन्दन प्रभु जी के नेतृत्व मे प्रमुख 108 श्लोको से गीता महायज्ञ हुआ। सायंकाल 5.30 बजे कथा कीर्तन के पश्चात वृन्दावन से पधारे भक्ति प्रचार परिव्राजक स्वामी महाराज, भगवान जगन्नाथ बलभद्र और सुभद्रा का पंचामृत सुगंधित फूलो से महापुष्पाभिषेक किया।

नाट्यरंग महोत्सव 13 से

उदयपुर,। टीम नाट्य संस्था, भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और कला संस्कृति विभाग राजस्थान सरकार के अनुमोदन से झीलों की नगरी में 13 से 15 दिसम्बर तक 3 दिवसीय राष्ट्रीय नाट्य समारोह उदयपुर नाट्य रंग महोत्सव-24 का आयोजन किया जाएगा।

आयोजक सुनील टांक के अनुसार इस तरह के महोत्सव को करने का उद्देश्य देश में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढावा देकर नई प्रतिभाओं अवसर प्रदान करना है और कला संस्कृति को संस्था अपने नाट्यविधा के माध्यम से जन जन तक पहुंचा चाहती है जिस से उदयपुर शहर व इसका आमजन और आदिवासियों सटा पूरा संभाग समृद्ध हो पाए इस कारण यह महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

सह संस्थापक शैलेंद्र शर्मा और रामेश्वर गौड ने बताया कि साहित्य संस्थान के मंच पर प्रस्तावित इस समारोह में दर्शकों का प्रवेश निशुल्क रहेगा।इस नाट्य महोत्सव में 13 को प्रयागराज से हरमेन्द्र सिंह के निर्देशन में नाटक श्नदी प्यासी थीश् का मंचन होगा 14 को श्रीगंगानगर विजय जोरा के निर्देशन में श्ये आदमी ये चूहेश् मंचित होगा 15 को दिन में रंग संवाद नाट्य लेखक बीकानेर से हरीश बी शर्मा से चर्चा होगी वि समापन शाम को जयपुर से अभिषेक गोस्वामी के निर्देशन में श्किस्से किनारों केश् का मंचन होगा यह विभिन्न नाट्य दल अपनी प्रस्तुति देंगी साथ ही स्थानीय कलाकार द्वारा शैली श्रीवास्तव जानी मानी ऑडिसी नृत्यांगना है उनके निर्देशन में गणेश वंदना और विष्णु वंदना की प्रस्तुति होगीं ।संस्था इस महोत्सव में नाट्य के साथ दूसरी कलाओं जैसे साहित्य,संगीत, नृत्य और चित्रकारीता को सम्मिलित करके उनको मंच प्रदान करेगी। आपको बतादे कि टीम नाट्य संस्था उदयपुर संभाग की सबसे पुरानी संस्थाओं में से एक जो विगत 54 वर्षों से पूरे देश में कलाएसाहित्य, संस्कृति व नाट्य क्रम के रचनात्मक एवं सृजनात्मक गतिविधियों से उदयपुर का प्रतिनिधित्व कर रही है।

- **झीलों की नगरी में 13 से 15 दिसम्बर तक 3 दिवसीय राष्ट्रीय नाट्य समारोह उदयपुर नाट्य रंग महोत्सव-24 का आयोजन किया जाएगा**

Micro Small Enterprises Facilitation Council Sikar Division
RIICO Industrial Area, Jaipur Road, Office District Industries Commerce Center, Sikar, Pin code 332001 Email- dicsikar@rajasthan.gov.in
क्रमांक: F.() MSEFC-Sik-Div/meeting/2024-25/77, दिनांक: 21/11/2024
Naolin Infrastructure Pvt. Ltd., Dhoinda, Rajsamand (Raj) 313324, Mob. 9000444234

अंतिम नोटिस
Case No.RJ/21/M/JPR/00428

M/s Sunflower Power Energy Pvt. Ltd., Abusar, Near Transfarmer, Jhunjhunu द्वारा आपको उपलब्ध करवाई गई सेवा के विलम्बित भुगतान राशि रू. 128501/- का भुगतान आप द्वारा आपूर्तिकर्ता इकाई को नहीं किए जाने के कारण आपूर्तिकर्ता द्वारा MSME act, 2006 की धारा 18 के अंतर्गत सुविधा परिषद को रेफरेन्स प्रस्तुत करने पर जयपुर परिषद में प्रकरण की सुनवाई दिनांक 03.03.2022 को आपकी अनुपस्थिति दर्ज की गई। इस कार्यालय में सुनवाई दिनांक 21.08.2024 एवं 25.09.2024 को भी आपकी अनुपस्थिति दर्ज की गई। आपके बार-बार अनुपस्थिति रहने एवं आंपकी तरफ से कोई जवाब परिषद को प्राप्त नहीं होने के कारण परिषद द्वारा सर्वसम्मति से प्रकरण में निर्देशित किया गया कि क्रेता के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्र के माध्यम से आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वयं के व्यय पर सुनवाई के अंतिम अवसर की लोक सूचना प्रकाशित करावें।

अतः जरिये अंतिम नोटिस आपको सूचित किया जाता है कि आपूर्तिकर्ता इकाई को विलंबित भुगतान न किये जाने के संबंध में अपना प्रत्युतर अविलम्ब प्रस्तुत करें अन्यथा राजस्थान सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद नियम - 2018 के प्रावधानों के अनुसार विलम्बित भुगतान कर चकवर्ती ब्याज लगाकर उपलब्ध तथ्यों के अनुसार अवार्ड पारित कर दिया जावेगा।

(विकास सिहाग), महाप्रबंधक एवं प्रभारी अधिकारी, सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद् सीकर संभाग

लेकसिटी के मैदानी इलाकों में तापमान न्यूनतम स्तर पर

उदयपुर। लेकसिटी में सर्द हवाएं सितम ढा रही है। दिन के तापमान में गिरावट व कोल्ड वेव चलने से दिनभर धूजणी छूट रही है। शहर के मैदानी इलाकों में तापमान 1.4 डिग्री तक पहुंच गया वहीं शहरी क्षेत्र का तापमान यह 5.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। अलर्ट के अनुसार तेज ठंड का यह प्रकोप 14 दिसम्बर तक बना रहेगा।

मौसम विभाग ने उदयपुर जिले में तीन दिन शीत लहर के येलो अलर्ट के बीच मंगलवार को दिन से ही तापमान में गिरावट होना शुरू हुई और रात होते-होते ठंड तेज हो गई। जैसे-जैसे दिन ढलता गया तापमान गिरता गया और यहीं असर बुधवार सुबह से भी मौसम में देखा गया और सर्द हवाओं के जोर ने सूरज की धूप को भी हल्का कर दिया। नश्तर सी चुभती हवाओं ने दिनभर लोगों को ऊनी वस्त्रों से ढके रखा। इधर, शहर के महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के मौसम तापमापी केन्द्र पर मैदानी इलाकों का तापमान 1.4 डिग्री तक रिकॉर्ड किया गया। वहीं मौसम विभाग डबोक से मिली जानकारी के अनुसार शहरी क्षेत्र का यह तापमान 5.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। एक ही दिन में एक बार फिर चार डिग्री की गिरावट हुई है। मंगलवार को यह तापमान 9.6 डिग्री पर पहुंच गया था। तीन दिन में दूसरी बार तापमान 5 डिग्री के करीब रिकॉर्ड किया गया। इससे पहले सोमवार को सबसे सर्द रात के साथ तापमान 5.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। अधिकतम तापमान में डेढ डिग्री की वृद्धि हुई है। मंगलवार को यह 20.9 था जो 22.2 डिग्री दर्ज किया गया।

- **महाराणा प्रताप कृषि विवि के मैदानी इलाकों का तापमान 1.4 डिग्री**
- **अब तीन दिन और तेज सर्दी का असर देखा जाएगा**

रैन बसेरा आश्रय स्थल का निरीक्षण

राजसमंद। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं जिला प्राधिकरण अध्यक्ष राघवेन्द्र काछवाल के निर्देशानुसार प्राधिकरण सचिव संतोष अग्रवाल ने न्यू ब्रह्मपुरी कॉलोनी धोइंदा स्थित रैन बसेरा आश्रय स्थल में निरीक्षण का व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सचिव अग्रवाल ने आश्रय स्थल में लोगों के ठहरने के लिए पर्याप्त जगह, क्षमता अनुरूप रजाई-गद्दों की उपलब्धता, बिजली व पानी की उपलब्धता, शौचालयों की साफ-सफाई, फर्स्ट एड बॉक्स की सुविधा, सर्दी में गर्म पानी की व्यवस्था, उपयुक्त प्रकाश की उपलब्धता, टीवी, सीसीटीवी कैमरे की सुविधा आदि व्यवस्थाओं की जांच की गई जो उपयुक्त पाई गई। इस दौरान केयर टेकर पुष्पेन्द्र उपस्थित थे, जिसे सचिव ने निर्देशित भी किया गया।

डॉ. कर्नाटक से विशेष चर्चा

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि, उदयपुर का विदेशी वैज्ञानिकों लॉरा मिशेल क्रास, निदेशक, इंटरनेशनल फर्टिलाइजर एसोसिएशन (आईएफए) एवं एटिने एकर्ड, एग्रोनोमिस्ट इंजीनियर/डेटा एनालिसिस/मार्केट इंटेलिजेंस, आईएफए, पेरिस ने दौरा किया। पेरिस से आये वैज्ञानिकों ने कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक से बातचीत की व कृषि शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार के क्षेत्र में विवि की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

प्रदेश समन्वयक की ग्रामीणों से चर्चा

उदयपुर। देश के महामहिम उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड का गांव किठाना अब स्वच्छता के लिए रॉल मॉडल बनेगा। जिसकी चर्चा ना केवल झुंझुनूं या फिर राजस्थान, बल्कि पूरे देश में होगी।

यह कहना है कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के प्रदेश समन्वयक केके गुप्ता का। केके गुप्ता ने किठाना गांव के पंचायत भवन में ग्रामीणों के साथ गांव की स्वच्छता को लेकर चर्चा की। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि गांव में हर घर में पशुधन है। जिनके गोबर का निस्तारण नहीं हो पाता और जगह-जगह गोबर के ढेर होने से गंदगी भी फैलती है और बीमारियां भी। जिस पर प्रदेश समन्वयक केके गुप्ता ने ग्रामीणों के साथ चर्चा की और सभी घरों में एक-एक बायो गैस प्लांट लगाने का आग्रह किया। गुप्ता ने बताया कि काफी सारी संस्थाएं और कंपनियां है। जो बायो गैस प्लांट लगाती है। इन गैस प्लांट को लगाने में जितना पैसा खर्च आता है। उतने की ही हमें सब्सिडी भी मिल जाती है। एक तरह से प्लांट लगाने के लिए कोई खर्चा नहीं आता। इसलिए सभी लोग खुद भी इसे लेकर आगे आएं और दूसरे लोगों को भी जागृत करें। पहले चरण में यदि 50 लोग भी बायो गैस प्लांट लगाने की इच्छा जाहिर करते हुए सहमति देते है। तो वे इस दिशा में गांव का सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि बायो गैस प्लांट लगने से गांव में लगने वाले गोबर के ढेर खत्म हो जाएंगे। प्लांट से देश की सबसे अच्छी देशी खाद मिलेगी और महीने की कम से कम 1 हजार रूपए की गैस भी मिलेगी। जिससे रसोई का कार्य हो सकेगा। इससे पहले पंचायत भवन में पहुंचने पर बीडीओ राजेश जांगिड, स्वच्छता मिशन की डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर सुमन चौधरी तथा सरपंच पति हरेंद्र धनखड आदि ने राजस्थानी परंपरा के अनुसार केके गुप्ता का साफा पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर ग्राम विकास अधिकारी अनिल बराला, एलडीसी सुबे सिंह, कृषि पर्यवेक्षक रतिराम, पंच अनूप धनखड, सूरजभान समेत अन्य ग्रामीण महिलाएं और पुरूष मौजूद थे। इस मौके पर केके गुप्ता ने कहा कि किठाना गांव उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड का गांव है। जिसकी पहचान रॉल मॉडल के रूप में होनी चाहिए।

कार्यालय ग्राम पंचायत बड़वई प.स.-डूंगला
जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/ग्रा.प.बड़वई/2024-25/SP3 दिनांक :- 10.12.2024

निविदा सूचना

इस कार्यालय से जारी निविदा सूचना संख्या दिनांक 10.12.2024 के अनुसार ग्राम पंचायत बड़वई में स्वीकृत कार्य हेतु जारी निविदा www.sppp.rajasthan.gov.in पर NIB No. ZCH2425A1365, 1366 एवं UBN No.ZCh2425WSOB01802, 1803 के अनुसार निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

सरपंच ग्राम पंचायत बड़वई
ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत बड़वई

कार्यालय जिला क्षय अधिकारी, जिला क्षय निवारण केन्द्र, उदयपुर (राज.)

क्रमांक:/स्था/क्षय/खुली निविदा/2024-25/242 दिनांक:-11.12.2024

-: खुली निविदा सूचना :-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैकि इस संस्थान पर वित्तीय वर्ष 2024-25 की अल्प कालिन अवधि में दिय गये कार्य विषय हेतु निर्धारित निविदा प्रपत्र में अति आवश्यक कार्य के कारण अल्प अवधि में संवेदकों/सेवा प्रदाता से निम्नानुसार मोहरबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा के नियम एवं शर्ते विशेष विवरण निविदा प्रपत्र में अंकित है। निविदा प्रपत्रसंस्थान के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में सुबह 10.00 बजे से 2.00 बजे के बीच प्राप्त किया जा सकता है। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त/स्थगित करने का अधिकार अधोहस्ताक्षर कर्ता का होगा।

क्र. स.	कार्य विषय	अनुमानित राशि (रू.)	अमानत राशि (रू.)	निविदा शुल्क (रू.)	निविदा प्रपत्र बेचने की दिनांक व समय		निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम दिनांक व समय		निविदा प्रपत्र खोलने की दिनांक एवं समय	
					दिनांक	समय	दिनांक	समय	दिनांक	समय
1	वाहन किराये पर लेने हेतु (लोडिंग गाडी एल.एम.जी)	200000	4000	200	12-12-2024 से 14.12.2024	10 AM से 2 PM	16-12-2024	10 AM से 1.00 PM	16-12-2024	2.00 PM

मुख्य शर्ते-

1. धरोहर राशि बैंकर्स चैंक/ डीडी द्वारा जिला स्वास्थ्य समिति (NTEP) जिला क्षय निवारण केन्द्र उदयपुर के पक्ष में देय होगी।
2. निविदा निहित प्रारूप में प्रस्तुत की जायेगी जिसे इस कार्यालय से नकद भुगतान कर प्राप्त की जा सकती है।
3. कार्य की विस्तृत जानकारी एवं शर्ते संस्थान पर देखी जा सकती है।
4. समिति न्युनतम दर वाली निविदा को स्वीकार करने हेतु बाध्य नहीं है एवं पूर्ण निविदा को एवं निविदा के किसी भाग को बिना कारण बताये स्वीकार/ अस्वीकार करने का अधिकार सोसायटी के पास सुरक्षित होगा।

जिला क्षय अधिकारी
जिला स्वास्थ्य समिति (NTEP)
जिला क्षय निवारण केन्द्र, उदयपुर

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

एक वर्ष
परिणाम उत्कर्ष

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के कर कमलों द्वारा

15 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र वितरण

एवं

85 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया की शुरुआत

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन

12 दिसम्बर, 2024	मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर, जोधपुर	प्रातः 11:00 बजे

शुभारम्भ

- 4010 स्कूलों में 8020 स्मार्ट क्लास रूम
- ई-पाठशाला एवं विद्या समीक्षा केंद्र
- लर्न, अर्न एण्ड प्रोग्रेस प्रोग्राम
- राजस्थान टारगेट ओलम्पिक पोडियम योजना
- स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम
- बिजनेस इनोवेशन प्रोग्राम

वितरण

125000	75325	23100	21000	155
छात्राओं को साइकिल	विद्यार्थियों को व्यावसायिक टूल किट	विद्यार्थियों को टैबलेट	बालिकाओं को स्कूटी	स्टार्ट-अप को फण्डिंग

निभाई जिम्मेदारी - हर घर खुशहाली

चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, राजस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

खेल जगत

मुझे ऐसा लगा जैसे मैं एक गिरोह का हिस्सा हूं। इससे मुझे लगभग बेहतर महसूस हुआ, क्योंकि मैं सोच रहा था: मैं एक मैच फिक्सिंग गिरोह का हिस्सा हूं, मैं एक ऐसे समूह के साथ हूं जो मेरी पीठ थपथपाएगा और कोई भी हमारे बारे में नहीं जानता। - लू विंसेंट

न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज, मैच फिक्सिंग से निकलने के बाद।

आज का खिलाड़ी — डी गुकेश

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप के 13वें राउंड के मैच के लिए 11 दिसंबर को मौजूदा चैंपियन डिंग लिरेन से भिड़ेंगे। सबसे कम उम्र के चैलेंजर 18 वर्षीय गुकेश और चीन के डिंग लिरेन के बीच दिलचस्प मुकाबला चल रहा है जिसमें कोई भी खिलाड़ी लंबे समय तक अपनी बढ़त कायम नहीं रख पाया है। एक दिन के रेस्ट के बाद दोनों खिलाड़ी बुधवार को फिर से एक दूसरे का सामना करेंगे। इस 14 दौर के मुकाबले में 12 दौर के बाद स्कोर 6-6 से बराबरी है। जो भी खिलाड़ी सबसे पहले 7.5 तक पहुंचेगा वह वर्ल्ड चैंपियन बन जाएगा।

क्या आप जानते हैं ?... ट्वंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज वेस्टइंडीज के क्रिस गेल थे। दूसरा व तीसरा शतक न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैकुलम व भारत के सुरेश रैना ने लगाया।

भारत-ऑस्ट्रेलिया गाबा टेस्ट पर फिरेगा पानी, ब्रिसबेन में हो रही जोरदार बारिश

ब्रिस्बेन, 11 दिसंबर । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट शनिवार 14 दिसंबर से ब्रिस्बेन में खेला जाएगा। पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज में दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर हैं। बिस्बेन टेस्ट दोनों की नजरें सीरीज में बढ़त लेने पर है। टीम इंडिया अभी ब्रिस्बेन पहुंची ही थी कि उनका स्वागत जोरदार बारिश से हुआ। बुधवार को ब्रिस्बेन में भारी बारिश हुई।

वेदरजोन के मुताबिक ब्रिस्बेन में बुधवार 75.8 मीटर बारिश हुई। ये फरवरी के बाद साल का सबसे ज्यादा बारिश वाला दिन रहा। इसे बेमौसम बारिश माना जा रहा है। ऐसे में अब ये सवाल उठ रहा है कि क्या शनिवार से शुरू हो रहे टेस्ट मुकाबले पर भी पानी फिर जाएगा। गाबा स्टेडियम भारत के लिए बहुत खास रहा है। इसी मैदान पर उन्होंने 2021 में ऐतिहासिक जीत के साथ-साथ सीरीज जीती थी। वेदरजोन कि रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिस्बेन टेस्ट पर बारिश का असर नहीं होगा। शनिवार को बारिश की केवल 20 प्रतिशत संभावना है वहीं बाकी के चारों दिन में ये केवल 30 प्रतिशत ही होगी। हालांकि, मंगलवार और बुधवार को हुई भारी बारिश के बाद पिच पर जरूर असर होगा। गाबा में ओवरकास्ट कंडिशन में तेज गेदंबाजों को मदद मिलेगी। भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

राज्य स्तरीय अंडर-14 यूथ कप : जयपुर स्पोर्ट्स एकेडमी ने जयपुरिया विद्यालय को हराया

जयपुर, 11 दिसंबर। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंडर-14 यूथ कप प्रतियोगिता में आज खेले गए मैच में जयपुर स्पोर्ट्स एकेडमी ने जयपुरिया विद्यालय को 258 रनों से हराया। एन बी ग्राउंड पर जयपुर स्पोर्ट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कोवित जेनरीवाल के 107 रन नाबाद व प्रतुल शर्मा के 160 रन नाबाद से 40 ओवर में 2 विकेट पर 335 रन बनाए। जयपुरिया विद्यालय के लिए भाविक ने 32 पर 1 विकेट लिया। जवाबी पारी में जयपुरिया विद्यालय की टीम 28.1 ओवर में 77 रनों पर सिमट गई। जयपुर स्पोर्ट्स एकेडमी के लिए सूफियान, अनस घोसी, चियाली व जसमीत ने 2-2 विकेट लिए।

कार्यालय उपवन संरक्षक, धौलपुर

क्रमांक-उ.व.सं.धौ./लेखा/निविदा/2024-25/7208 दिनांक-05.12.2024

Notice Inviting Bid

Bid for construction of 500 RMT Boundry wall in range Sarmathura are invited from interested bidders upto 11:00 AM, 16-12.2024. other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in and https://eproc.rajasthan.gov.in of the state. The approximate value of the procurement is 14.83 lakhs.

UBN No.- FOR2425WSOB02543

DIPR/C/12616/2024 DCF Dholpur

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जल संसाधन खण्ड जालोर

क्रमांक/लेखा/2425/ दिनांक-

ई-बिड सूचना संख्या 12 वर्ष 2024-25

NIB CODE: WRD2425A0347

माननीय राज्यपाल महोदय राजस्थान सरकार की ओर से अधोहस्तारकर्ता द्वारा इस खण्ड के अन्तर्गत स्वीकृत 3 कार्यो (अनुमानित राशि 143.47 लाख) हेतु वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर वित्तीय एवं लेखा नियम परिशिष्ठ XVI अनुभाग-II सिविल ठेकेदार/फर्मो के निर्धारित नियमों उपनियमों में निर्धारित पात्रता धारक पंजीकृत संवेदकों से दिनांक 10.12.2024 से 19.12.2024 को सायं 6.00 बजे तक ऑनलाईन बोली आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाएं दिनांक 20.12.2024 को प्रात 11.00 बजे खोली जायेगी। जिसका विवरण निम्नलिखित वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in, sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है एवं खण्ड कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस देखा जा सकता है।

Name of work	UBN NO.
1. Repair and restoration of Dhumbda Mata Anicut Village Bhadrajun PS Ahore District Jalore (Rs. 43.17 Lacs)	WRD2425 WSOB01316
2. Construction of Anicut in Ritra Nala Village Ramaniya (56.96 Lacs)	WRD2425 WSOB01317
3. Flood Protection work Indrana Bitumen road to old Tanki of Junjharo Ka Sthan, Village Siner (43.34 Lacs)	WRD2425 WSOB01318

अधिशाषी अभियन्ता
जल संसाधन खण्ड जालोर

DIPR/C/12618/2024

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

CAD सर्किल के पास कोटा

फोन नं. 0744-2500539, वेबसाइट: Lsg.rajasthan.gov.in/uitkota

एफ 11/नीलामी/2024/1964 दिनांक 10.12.24

ई-ऑक्शन के माध्यम से भूखण्ड खरीदने का अवसर

प्राधिकरण द्वारा ई-ऑक्शन के माध्यम से खसरा नं. 188, 190, 194 एवं 196 ग्राम दौलतगंज उर्फ नयागांव में भूखण्ड संख्या-01 को नीलाम किया जा रहा है। जो कि औद्योगिक क्षेत्र एवं आवासीय योजनाओं के समीप स्थित है। ई-ऑक्शन का आरम्भ दिनांक 01.01.2025 प्रात: 11.00 बजे से शुरु होगा तथा दिनांक 03.01.2025 को दोपहर 02.00 बजे समाप्त हो जायेगा (अन्तिम 5 मिनट में स्वत: बोली विस्तार नहीं होने की स्थिति में) नियम/शर्ते एवं अन्य जानकारी Lsg.rajasthan.gov.in/uitkota एवं udhonline.rajasthan.gov.in/ कार्यालय समय में न्यास में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है। दूरभाष 0744-2500539/ (Helpline For Online Support-01412560211) पर सम्पर्क करें। udhonline.rajasthan.gov.in

खसरा नं. 188, 190, 194 एवं 196 ग्राम दौलतगंज उर्फ नयागांव में भूखंड संख्या:-01

क्षेत्रफल 1700 वर्गमीटर
प्रारम्भिक नीलामी दर-11000/-प्र.व.मी.
आरक्षित दर-7000/-प्र.व.मी.
धरोहर राशि-374000/-

सचिव
कोटा विकास प्राधिकरण

51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता विकास की गेंदबाजी से ब्रह्मपुरी की आसान जीत

जयपुर, 11 दिसम्बर। बनीपार्क क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज श्री हुकूम सिंह क्रिकेट ग्राउण्ड हाथोज में खेले गये मुकाबले में विकास जांगिड 27 और 3 अनंग नन्दवाना 12 रन पर 2 विकेट, विशाल गोदारा 30 रन पर 2 विकेट, दिव्यांश शर्मा 35 रन पर 2 विकेट की शानदार गेंदवाजी की बादोलत ब्रह्मपुरी क्रिकेट क्लब ने यंग फ्रेन्डस क्लब को 7 विकेट से हरा कर अगले राउण्ड में प्रवेश किया। टॉस जीतकर यंग फ्रेन्डस क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। शुभम शर्मा 22 हर्ष शर्मा 19 रन हेमेन्द्र जोधा 19 रन को छोडकर कोई भी बल्लेवाज विकास जांगिड 27 और 3 अनंग नन्दवाना 12 रन पर 2 विकेट, विशाल गोदारा 30 रन पर 2 विकेट, दिव्यांश शर्मा 35 रन पर 2 विकेट की शानदार गेंदवाजी समक्ष नही टिक सका और पुरी टीम 27.5 ओवर में 117 रन बनाकर सिमट गई

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज फ्लेमिंग का बड़ा दावा

बीसीसीआई छिपा रहा जसप्रीत बुमराह की चोट

ब्रिस्बेन, 11 दिसंबर । टीम इंडिया तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शनिवार से शुरू हो रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट से पहले ब्रिस्बेन में भारत के प्रैक्टिस सेशन में शामिल नहीं हुए, जिससे भारतीय टीम प्रबंधन चिंतित है। जसप्रीत बुमराह को मंगलवार को भारत के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच के साथ समय बिताते हुए देखा गया। बुमराह ने इस हफ्ते नेट्स में गेंदबाजी नहीं की है।वहीं भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने पिछले हफ्ते एडिलेड में पिंक बॉल टेस्ट मैच की पहली पारी में जसप्रीत बुमराह में असहजता के लक्षण दिखने को सिर्फ ऐंठन बताया था। हालांकि, ऑस्ट्रेलियाई पूर्व गेंदबाज डेमियन फ्लेमिंग ने कुछ अलग ही दावा किया है। अगर उनका दावा सच निकला तो गाबा टेस्ट में टीम इंडिया की टेंशन बढ़ जाएगी। डेमिनय फ्लेमिंग का मानना है कि जसप्रीत बुमराह की स्थिति को लेकर कुछ गंभीर संदेह हैं।

राजस्थान के यथार्थ भारद्वाज का अर्द्धशतक

जयपुर, 11 दिसंबर। विजयवाड़ा (मंगलगिरि) में खेली जा रही बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में आज से राजस्थान-उत्तराखंड के मध्य शुरु हुए (मल्टी डेज) मैच के पहले दिन राजस्थान टीम ने यथार्थ भारद्वाज की अर्धशतकीय पारी की सहायता से अपनी पहली पारी में 266 रनो का स्कोर बनाया। राजस्थान पहली पारी 266 आल आउट। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान की शुरुआत अच्छी नहीं रही, राजस्थान की सलामी जोड़ी मात्र 33 रनो के स्कोर पर पैवेलियन लौट गयी। यथार्थ भारद्वाज ने आदित्य अग्रवाल के साथ तीसरे विकेट के लिए 83 रनो की पार्टनरशिप करते हुए टीम को संकट से उबारा। यथार्थ भारद्वाज ने 50 रनो की अपनी अर्धशतकीय पारी में 59 गेंदों का सामना किया व 8 चोक्के लगाए, आराध्य अग्रवाल ने अपनी 46 रनो की पारी में 83 गेंदों का सामना किया।

इंडियन सॉफ्ट हॉकी लीग

राजस्थान का विजयी सफर जारी

जयपुर, 11 दिसम्बर। सॉफ्ट हॉकी लीग में तीसरे दिन की खेल प्रतियोगिता मुख्य अतिथि कुसुम यादव महापौर जयपुर नगर निगम, प्रो अमेरिका सिंह वाइस चांसलर विक्रान्त यूनिवर्सिटी ग्वालियर, वीरेंद्र पूनिया मुख्य खेल अधिकारी, डॉ परमजीत सिंह राठौड़, कुलदीप झाला खेल निदेशक विक्रांत यूनिवर्सिटी ग्वालियर, राजेश काला लीगल एडवाइजर. पीयूष सोनी जैन समेत अन्य पदाधिकारी एवं टीमों के स्पॉन्सर मौजूद रहे। फेडरेशन के महासचिव रमेश सिंह, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट गजेंद्र सिंह राठौड़, टेक्निकल हेड हर्षित यादव, हरजिंदर सिंह बराड़, मुकेश कुमार, गौतम कुमार ने मेहमानों का स्वागत किया। आज के मुकाबलों में पुरुष वर्ग में उत्तर प्रदेश ने दिल्ली फाइटर को 5- 3 से रॉयल चैलेंजर राजस्थान ने महाराष्ट्र ड्रैगन को 1-0 से हराकर मुकाबले को अपने पक्ष में किया वहीं महिला वर्ग में रॉयल चैलेंजर्स राजस्थान ने स्टार ऑफ चंडीगढ़ को 3- 1 से दिल्ली ने हरियाणा बिग बुल को 4-2 हराकर अपने पक्ष में किया। राजस्थान के स्टार खिलाड़ी बीना पांडे ने 3 गोल किए विशेष ने 1 गोल दिल्ली की अनामिका रीना मनीषा कीर्ति ने 1-1 गोल किये हरियाणा की पूनम व चंद्रकला ने भी 1-1 गोल किया वहीं उत्तरप्रदेश प्रदेश के अजयपाल ने 1 व उठासिंह ने अपनी टीम के लिये 2 गोल किये। कार्यक्रम का संचालन बाबूलाल विश्नोई ने किया रीना मनीषा कीर्ति ने 1-1 गोल किये। हरियाणा की पूनम व चंद्रकला ने भी 1-1 गोल किया, वहीं उत्तरप्रदेश प्रदेश के अजयपाल ने 1 व उठासिंह ने अपनी टीम के लिये 2 गोल किये। कार्यक्रम का संचालन बाबूलाल विश्नोई ने किया।

नगर विकास न्यास, बीकानेर

Near Collector Office, Bikaner(Rajasthan) Fax :- 91-151-2226012, Phone :-91-151-2226012, 91-151-2226013
E-Mail Address:- uitbikaner@yahoo.co.in Web Site :- urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner

EXPRESSION OF INTEREST

क्रमांक:-नविन्या/बीका/2024-25/19004 दिनांक:- 10.12.2024

Uit Bikaner invites Expression of interest (EOI) from eligible entities for Operation and Maintain, of Toy Train & Children park (Public Park) owned by UIT - Public Park For 3 years.

The Service Provider/Contractor shall be free to implement their own concepts taking in to Consideration all the applicants norms and Regulation Rajendra Bairwa Executive Engineer-I, Bikaner can be contacted (Mo. No. 9509798549) for site visit with prior intimation.

Interested parties may download expression of Interest (EOI) Document form www.sppp.rajasthan.gov.in, E-Proc. Rajasthan.gov.in and urban.rajasthan.gov.in/uit Bikaner from **11-12-2024**. The EOI Processing Fee's of Rs. 10000/- shall be deposited through **WWW.SSO.Rajasthan.Gov.In** The copy of the 'EOI Document,' duly filled in with the required information and details along with the required enclosures, Certificates & documentary proofs specified in the 'EOI Documents,' should be uploaded on E-Proc. Rajasthan.gov.in.

on or before 24-12-2024 For any clarification applicants may seek through mail **uitbikaner@yahoo.co.in**.

The uploaded document will be evaluated and firms found eligible will be invited to make a presentation on their capabilities. The Eligible firms will be shortlisted for further tender process.

UBN NO. ITB2425WSOB00087

Executive Engineer-I
UIT Bikaner

Raj.Samwad/C/24/8935

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्र. संक्षिप्त वि.सं. 23/परीक्षा/सहा.आचार्य (चिकित्सा शिक्षा) RPSC/EP-1/2425 दिनांक-11.12.2024

आयोग द्वारा चिकित्सा शिक्षा विभाग के लिए राजस्थान चिकित्सा सेवा (कॉलिजिस्ट ब्रांच) नियम 1962 के अन्तर्गत सहायक आचार्य (Assistast Prefesser) के विभिन्न 33 विषयों के कुल 329 पदो पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते है। शैक्षिक योग्यता वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। उक्त पदो हेतु आयु सीमा, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है-

आयु सीमा	दिनांक 01.01.2026 को अधिकतम आयु सीमा 37 वर्ष से कम, सिवाय डी.एम./एम.सी.एच. न्यूनतम अर्हता अपेक्षित करने वाले पदो के लिए अधिकतम आयु सीमा 42 वर्ष होगी।
आवेदन अवधि	दिनांक 3.12.2024 से दिनांक 29.01.2025 रात्रि 12.00 बजे तक
परीक्षा का स्थान व माह	परीक्षा स्थान व तिथि के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य बिन्दु व सूचना-एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.-0145-2635212 एवं 2635200 पर संपर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

DIPR/C/_____/2024 राम निवास मेहता, सचिव

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्र.सं. संक्षिप्त वि.सं. 21 एवं 22/परीक्षा/वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी एवं वरिष्ठ अध्यापक (भा.शि.) RPSC/EP-1/2425 दिनांक-11.12.2024

आयोग द्वारा विभिन्न विभागों के लिए 02 विज्ञापनों के तहत ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे है। उक्त विज्ञापनों के तहत विज्ञापित पदों की शैक्षिक योग्यता, विभागवार पदों की संख्या, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया, आयु सीमा व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध पृथक पृथक विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। इन विज्ञापनों के तहत विज्ञापित पदों हेतु विभाग का नाम, पद नाम, विज्ञापन संख्या पदों की संख्या आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है-

क्र.स.	विभाग का नाम	पद का नाम	विज्ञापन संख्या	पदो की संख्या	आवेदन अवधि
1	राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला, जयपुर	वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी	22/2024-25	14	19.12.2024 से 17.01.2025
2	माध्यमिक शिक्षा विभाग	वरिष्ठ अध्यापक	21/2024-25	2129 (NSA-1727 & SA-402)	26.12.2024 24.01.2025

अन्य बिन्दु व सूचना-एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.-0145-2635212 एवं 2635200 पर संपर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

DIPR/C/12834/2024 राम निवास मेहता, सचिव

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

CAD सर्किल के पास कोटा

एफ 11/नीलामी/2024/1979 दिनांक 10.12.24

ई-ऑक्शन के माध्यम से भूखण्ड खरीदने का अवसर

प्राधिकरण द्वारा ई-ऑक्शन के माध्यम से पंडित मदन मोहन मालवीय योजना खेड़ा जगपुर झालावाड़ रोड में रिसोर्ट हेतु भूखण्ड संख्या-आर-6 को नीलाम किया जा रहा है। उक्त भूखण्ड एन.एच. 12 पर स्थित है एवं प्राधिकरण की फार्म हाउस योजना, आर.टी.ओ. ऑफिस, रीको संस्थान एवं औद्योगिक क्षेत्र के समीप स्थित है। ई-ऑक्शन दिनांक 08.01.2025 प्रात: 11.00 बजे प्रारंभ होकर दिनांक 10.01.2025 को दोपहर 02.00 बजे समाप्त हो जायेगा (अन्तिम 5 मिनट में स्वत: बोली विस्तार नहीं होने की स्थिति में) नियम/शर्ते एवं अन्य जानकारी urban.rajasthan.gov.in/uitkota एवं udhonline.rajasthan.gov.in/ कार्यालय समय में प्राधिकरण में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है। दूरभाष 0744-2500539/ (Helpline For Online Support-01412560211) पर सम्पर्क करें।

भूखण्ड संख्या आर-6 का क्षेत्रफल (13250.79 वर्गमीटर)
प्रारम्भिक नीलामी दर-10500/-प्र.व.मी.
आरक्षित दर-3500/-प्र.व.मी.
धरोहर राशि-2783000/-

सचिव कोटा विकास प्राधिकरण

वालीबॉल राजस्थान सीनियर पुरुष एवं महिला टीमों की चयन ट्रायल

जयपुर, 11 दिसम्बर। भारतीय वालीबाल संघ की एड हॉक कमेटी के निर्देशन में राजस्थान राज्य कीड़ा परिषद द्वारा आज राजस्थान सीनियर पुरुष एवं महिला टीमों की चयन ट्रायल ली गई जो 7 से 13 जनवरी तक होने वाली सीनियर नैशनल महिला एवं पुरुष वॉलीबॉल चैंपियनशिप मै भाग लेगी।

भारतीय वॉलीबाल संघ की एडहॉक कमेटी ने फेयर निष्पक्ष खिलाड़ियों के चयन के लिए तीन लक्ष्मीनारायण इंटरनेशनल वॉलीबॉल कोच कर्नाटक से अमित कुमार अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी गुजरात से और प्रदीप कौशल एन आइ एस कोच को भेजा गया जिन्होंने जयपुर पहुंच कर राजस्थान के पुरुष एवं महिला टीमों की ट्रायल ली सवाई मान सिंह स्टेडियम के वॉलीबॉल कोच की देख रेख मैं मैदान पर सारी व्यवस्थाएं अच्छी रही राजस्थान क्रीड़ा परिषद के सचिव भी चयन ट्रायल मै खिलाड़ियों से रूबरू हुए और उन्होंने कहा कि राजस्थान की दोनों टीमें अच्छी बनाए जिसे राजस्थान का नाम और सीनियर नैशनल मै कोई कमी नहीं आने दी जायेगी राजस्थान राजग क्रीड़ा परिषद आयोजन मै पूर्ण सहयोग करेगी। आने वाले दिनों मै भारतीय वॉलीबाल संघ का स्वरूप ही दूसरा होगा प्रेमसिंह जी बाजोर सीनियर नैशनल वॉलीबॉल के कर्णधार हैं इन्हीं के नेतृत्व में सीनियर नैशनल वॉलीबॉल का आगाज किया जा रहा है।

रघु सिन्हा आईटीएफ 200 टेनिस टूर्नामेंट

डबल्स और सिंगल्स श्रेणी में क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल के लिए हुए मुकाबले

जयपुर, 11 दिसंबर। जयपुर में आयोजित छह दिवसीय प्रतिष्ठित रघु सिन्हा आईटीएफ 200 टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दिन विभिन्न पुरुष श्रेणियों में क्वॉटरफाइनल और सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। इन मुकाबलों में पुरुष डबल्स और सिंगल्स की 45, 50 और 55 श्रेणियों में खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल और फाइनल्स में अपनी जगह पक्की की। 45 सिंगल्स क्वॉटरफाइनल में कौशिक गांगुली, रंजू चेरियन और प्रशांत कोठारी ने जीत हासिल की। वहीं, डबल्स क्वॉटर फाइनल में प्रशांत कोठारी- अशुंमन शर्मा, तरुण भुम्बरी- अरुण कटारिया और रंजू चेरियन- विरेंद्र कुमार सोनी ने क्वॉटरफाइनल में जीत दर्ज की।

50 सिंगल्स के क्वॉटरफाइनल में अनिल कुमार, जगदीश तंवर, अशुंमन शर्मा और दीपक बागोरा विजेता बने। वहीं, 50 डबल्स के क्वॉटरफाइनल राउंड में आशीष मालपानी और सुरेंद्र सिंह सिसोदिया की जोड़ी विजयी रही। डबल्स के सेमीफाइनल में दीपक बागोरा और जतिन गंभीर ने जीत हासिल कर फाइनल में अपनी जगह बनाई।

55 सिंगल्स के क्वॉटरफाइनल में गुरुदर्शन सिंह रामाना और लक्ष्मीकांत तंवर ने जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में राज दत्त ने राकेश भाटिया को परास्त कर फाइनल में जगह बनाई। इसके अतिरिक्त, 55 डबल्स में गुरुदर्शन सिंह रामाना और जयंत सेन ने जीतकर दूसरे राउंड के लिए क्वॉलीफाई किया। टूर्नामेंट के तीसरे दिन, 12 दिसंबर को 60, 65, 70, 75 श्रेणी में पुरुष सिंगल और डब्लस के मुकाबले शुरू होंगे। इसके अतिरिक्त, महिला खिलाड़ी 35 और 45श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगा।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड अलीगढ़

क्रमांक-2524-29 दिनांक-04.12.2024

विवरण	पूर्व में प्रकाशित तिथियां	संशोधित तिथियां
निविदा फार्म डाउनलोड/अपलोड करने की तारीख	02.12.2024 प्रात 10.00 बजे से 16.12.2024 सायं 6.00 बजे तक	02.12.2024 प्रातः 10.00 बजे से 20.12.2024 सायं 06.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा शुल्क/धरोहर राशि फार्म जमा कराने की तारीख	02.12.2024 प्रात 10.00 बजे से 16.12.2024 सायं 6.00 बजे तक	02.12.2024 प्रातः 06.00 बजे से 20.12.2024 सायं 06.00 बजे तक
ऑन लाईन तकनीकी निविदा खोलने की तारीख	17.12.2024 दोपहर 2.00 बजे	23.12.2024 दोपहर 2.00 बजे

कार्य का नाम	पूर्व में प्रकाशित राशि			संशोधित प्रकाशि राशि		
	अनुमानित लागत निर्माण कार्य (लाखों में)	धरोहर राशि प्रतिशत में 2 प्रतिशत		अनुमानित लागत निर्माण कार्य (लाखों में)	धरोहर राशि प्रतिशत में	
		2 %	½ %		2 %	½ %
Construction of Ayurved Dispensary at Satwada	17.26	34536	8634	15.42	30850	7712
Construction of Ayurved Dispensary at Kunder	17.26	34536	8634	15.42	30850	7712

निविदा की शेष शर्ते यथावत रहेगी।

NIB CODE- PWD2425A3073, UBN NO. PWD2425WSOB11316, UBN NO. PWD2425WSOB11317

(भगवान सिंह मीना)
अधिशाषी अभियंता
सा.नि.वि. खण्ड अलीगढ
मो.नं. 9166655510

DIPR/C/12597/2024

OFFICE OF THE PRINCIPAL, RUHS COLLEGE OF MEDICAL SCIENCES,

Sector – 11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur - 302033
Ph. : 0141-2795624, 634 Email : principalruhscms@ruhsraj.org

No. RUHS-CMS/Store/2024-25/7190 Date 07-12-2024

NOTICE INVITING BID

Sealed Single Stage Two- envelopes unconditional online bids are invited on behalf of the Governor of Rajasthan for the following PPP Project, from reputed firms/organization /company etc. having requisite experience for providing such services, as per the Bidding Schedule given below:- **(UBN NoCMS2425SLOB00036 Date07-12-2024)**

S. No.	Details of PPP Project	Estimated cost of CT-MRI Project (Rs in Crores)	Amount of Bid Security(Rs in Lakhs)	Price of Bidding Document (Rs)	RISL Processing Fee (Rs)
1.	PROJECT FOR SUPPLY, INSTALLATION, OPERATION, MAINTENANCEOF:- 128 – Slice-CT –SCANNERMACHINE -(1 No.) 1.5 Tesla MRI Machine-(1 No.) ALONG WITH PROVIDING INVESTIGATION RELATED SERVICES ON REVENUE SHARING BASIS ON PPP MODE FOR RUHS HOSPITAL, JAIPUR.	11.00	22.00	**5000.00**	2500.00

- Publishing Date & Time 07-12-2024 05:00PM
- Pre Bid Meeting Date & Time 13-12-2024 02:00PM
- Bid Submission Start Date & time 20-12-2024 05:00PM
- Bid Submission End Date & Time 10-01-2025 02:00PM
- Technical Bid Opening Date & Time 11-01-2025 02:00PM

Details may be seen in the Bidding Document at **https://eproc.rajasthan.gov.in** or **https://sppp.rajasthan.gov.in** or on RUHS CMS Jaipur.

Raj.Samwad/C/24/8941 Principal

राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (REET)-2024

RAJASTHAN ELIGIBILITY EXAMINATION FOR TEACHERS (REET)-2024

(माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर)

राजीव गाँधी विद्या भवन, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कॉलोनी, सिविल लाइन्स, अजमेर-305001
Website : http://rajeduboard.rajasthan.gov.in पर जारी लिंक REET-2024
Email ID : rajreetbser2024@gmail.com
फोन नं. (0145) 2630436, 2630437

विज्ञप्ति संख्या : 01/2024 दिनांक 12.12.2022

"राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (REET)-2024" के लिए पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। यह परीक्षा निम्न वर्णित कार्यक्रम अनुसार निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी।

ऑन-लाईन आवेदन पत्र की उपलब्धता	दिनांक 16.12.2024 से 15.01.2025 (रात्रि 12.00 बजे तक)
चालान मुद्रित कर निर्धारित बैंक/ ई-मित्र पर शुल्क जमा कराने की आरम्भ एवं अन्तिम दिनांक	दिनांक 16.12.2024 से 15.01.2025 तक
वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड करने की संभावित दिनांक	19.02.2025 सायं 4 बजे से
परीक्षा तिथि	**दिनांक 27.02.2025 (गुरूवार) (आवेदकों की संख्या एवं परीक्षा केन्द्रों की उपलब्धता के दृष्टिगत परीक्षा का आयोजन आगे की तिथियों को भी रखा जा सकता है)**

1. **ऑन-लाईन आवेदन प्रक्रिया** :- राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (REET)-2024 के लिए परीक्षा आवेदन पत्र वेबसाईट http://rajeduboard.rajasthan.gov.in पर जारी लिंक REET-2024 पर निर्धारित तिथियों तक ऑन-लाईन भरे जायेंगे। आवेदन हेतु अनुदेश व प्रपत्र उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध होंगे। ऑन-लाईन के अतिरिक्त किसी भी प्रकार से किया गया आवेदन स्वीकार्य नहीं होगा। अभ्यर्थी को सर्वप्रथम नाम, पिता का नाम, माता का नाम, परीक्षा का स्तर (Level) एवं मोबाईल नम्बर अंकित कर सम्बन्धित ई-मित्र/बैंक/ऑन-लाईन भुगतान का चुनाव कर परीक्षा शुल्क जमा कराना होगा। ई-मित्र/बैंक से शुल्क का सत्यापन (Verification) होने के पश्चात ही अभ्यर्थी अपना परीक्षा आवेदन पत्र भर सकेगा। शुल्क का सत्यापन वेबसाईट पर चालान नम्बर अंकित कर जाना जा सकेगा।
2. **परीक्षा शुल्क** :
   आवेदक अपनी पात्रता के अनुरूप निम्नानुसार परीक्षा शुल्क निर्धारित बैंकों के माध्यम से चालान/डेबिट कार्ड/नेट बैंकिग/ई-मित्र से जमा करा सकेगें।
   - लेवल प्रथम - रूपये 550/-
   - लेवल द्वितीय - रूपये 550/-
   - दोनों लेवल के आवेदक हेतु - रूपये 750/-
   (प्रत्येक लेवल/स्तर हेतु वांछित शैक्षणिक योग्यताएं होना अनिवार्य है)
3. राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (REET-2024) की पात्रता, विषयवस्तु एवं परीक्षा पाठ्यक्रम की जानकारी वेबसाईट पर विस्तृत विज्ञप्ति देखें।
4. परीक्षा आयोजन का समय एवं पारी -
   I. **परीक्षा समय** :- प्रथम पारी : प्रातः 10.00 बजे से अपराह्न 12.30 बजे तक
   द्वितीय पारी : अपराह्न 3.00 बजे से सायं 5.30 बजे तक

नोटः- लेवल प्रथम व द्वितीय की परीक्षा दिनांक एवं पारी की सूचना पृथक से विज्ञप्ति के माध्यम से जारी की जाएगी। ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने लेवल प्रथम व लेवल द्वितीय दोनों परीक्षाओं के लिए आवेदन किया है, उन्हें दोनों परीक्षाओं की निर्धारित पारी व समय पर परीक्षा देनी होगी।

II. **परीक्षा प्रवेश पत्र** :- REET कार्यालय द्वारा प्रवेश पत्र http://rajeduboard.rajasthan.gov.in पर जारी लिंक REET-2024 पर अपलोड कर दिए जाएंगे। इस बाबत सूचना समाचार पत्रों एवं वेबसाइट के माध्यम से जारी की जाएगी। अभ्यर्थी प्रवेश पत्र वेबसाइट से भी डाउनलोड कर सकते है, इस हेतु आवेदन पत्र तथा चालान की प्रति सुरक्षित रखें। डाक द्वारा प्रवेश पत्र नहीं भेजे जाएंगे।

विशेष : सभी अभ्यर्थियों को परामर्श है कि वे समय समय पर बोर्ड की वेबसाईट http://rajeduboard.rajasthan.gov.in पर जारी लिंक REET-2024 का अवलोकन कर, अद्यतन सूचनाओं से अवगत रहें।

समन्वयक

MARUTI SUZUKI ARENA
ग्रांड एरीना महीने में अविश्वसनीय ऑफ़र्स।
जल्दी कीजिए, ऑफ़र दिसंबर 31 को समाप्त हो रहे हैं!
GRAND ARENA MONTH
MARUTI SUZUKI ARENA
Buy Before Price Hike
ALTO K10
SWIFT
BREZZA
WAGONR
ऑफ़र्स स्टॉक रहने तक मान्य
3 years 100 000 km WARRANTY*
EXTENDABLE UPTO 6 YEARS
विशेष ऑफर
ALTO K10 ₹88 100* | SWIFT ₹88 100*
BREZZA ₹50 000* | WAGONR ₹73 100*
SCAN TO CONNECT TO SHOWROOM NEAR YOU
E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM
T&C Apply Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black Glass Shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper. Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. *Offer includes consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offer (wherever applicable) on selected models/variants. Above mentioned savings amount is the value of maximum savings on selected models. Offer valid with selected financiers only. **3 years or 100 000 km whichever is earlier. Above offers are valid till 31st December, 2024.